दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 03 सितंबर-2025 ● वर्ष : 10 अंक : 254 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

भारत का पहला
Air Cooler ISI Mark
प्राप्त करने वाला ब्रांड
Proud to be
India's First
license of Air Cooler
as per IS 3315:2024
SUMMERCOOL
India's Largest
Air Cooler
Manufacturing Company
www.summercoolindia.com
Online review 4.5 out of 5

सबका साथ
सबका विकास
सबका विश्वास
प्रशांत चौधरी
पूर्व विधायक एवं सदस्य प्रदेश कार्यसमिति

गाजियाबाद में भारी बारिश - स्कूल बंद, प्रशासन सतर्क

बारिश और मोहल्लों में जलभराव से जिंदगी जैसे ठहर सी गई

कलेक्ट्रेट ऑफिस

लाल कुआं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लगातार बारिश ने गाजियाबाद में हालात बिगाड़ दिए हैं। मोहल्लों में जलभराव, सड़कों पर जाम और यमुना-हिंडन का बढ़ता जलस्तर अब बाढ़ जैसे हालात बना रहा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके बाद प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है और जिलाधिकारी ने एडवाइजरी भी जारी की है।

मुख्य बिंदु

- बारिश से मोहल्लों में जलभराव, शहर की सड़कें तालाब बनीं।
- डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने 3 सितंबर को सभी स्कूल बंद किए।
- हाथिनी बैराज से छोड़े गए 3.21 लाख क्यूसेक पानी ने यमुना का जलस्तर बढ़ाया।
- लोनी क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे अउद्ध वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट।
- यमुना नदी का जलस्तर सोमवार शाम 210.15 मीटर पर पहुंचा।
- बदरपुर में दोबारा बिगड़े हालात, लोग फिर पुश्ता की ओर लौटने लगे।
- जीटी रोड, हापुड़ रोड, लालकुआं और मेरठ रोड पर जलभराव व जाम।
- हिंडन नदी भी उफान पर, नालों का पानी तेजी से ड्रेन नहीं हो पा रहा।
- हेल्पलाइन: 1077, 0120-2989032, 0120-2986150, 108, 102।

स्कूल बंद : डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए आदेश दिया कि बुधवार, 3 सितंबर को जिले के नर्सरी से 12वीं तक सभी स्कूल बंद रहेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने सभी बोर्डों के स्कूलों को आदेश जारी कर दिए हैं। अभिभावकों से बच्चों को घर पर रखने की अपील की गई है।

यमुना और हिंडन का खतरा : हाथिनी बैराज, सहारनपुर से छोड़े गए 3.21 लाख क्यूसेक पानी का असर गाजियाबाद में दिख रहा है। लोनी क्षेत्र में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। अउद्ध वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट ने मौके का दौरा किया और बाढ़ चौकियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। सोमवार की शाम तक यमुना नदी का जलस्तर 210.15 मीटर तक पहुंच गया था और लगातार इसमें इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर हिंडन नदी भी उफान पर है, जिससे शहर के नालों का पानी सही तरह से निकल नहीं पा रहा है।

बदरपुर में फिर संकट : बदरपुर क्षेत्र के लोग फिर से परेशान हैं। अगस्त में जब यमुना का जलस्तर बढ़ा था, तब लोग अपने घर छोड़कर पुश्ता पर आ गए थे। जलस्तर घटने के बाद कुछ लोग लौटे भी थे, लेकिन अब दोबारा बढ़ते पानी से लोग फिर से पलायन करने को मजबूर हैं।

शहर की सड़कों पर जलजमाव : भारी बारिश ने मोहल्लों को ही नहीं बल्कि मुख्य मार्गों को भी जाम कर दिया है। जीटी रोड, हापुड़ रोड, लालकुआं और मेरठ रोड पर वाहनों की रफ्तार थम गई है। जगह-जगह पानी भरने से ट्रैफिक रेंगने पर मजबूर है।

डीएम की एडवाइजरी

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जनता से सावधानी बरतने की अपील की है।

- प्रशासन के आदेश रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया से लेते रहें।
- खाने-पीने की वस्तुओं और जीवनरक्षक दवाओं का स्टॉक रखें।
- जरूरी कागजातों को वाटरप्रूफ पैकेट में सुरक्षित करें।
- नदी किनारे और डूब क्षेत्र से तुरंत दूर रहें।

सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबर

- जिला आपदा नियंत्रण कक्ष: 1077
- कंट्रोल रूम: 0120-2989032, 0120-2986150
- मेडिकल इमरजेंसी: 108, 102

ट्रांस हिंडन एरिया में भारी बारिश और जलभराव

साहिबाबाद, करंट क्राइम। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से ट्रांस हिंडन इलाके कि ज्यादातर कॉलोनियां पानी पानी हो गई है। भारी बारिश और जल भराव से जिंदगी ठहर सी गई है स्कूल कॉलेज और दफ्तर जाते समय बारिश होने से परेशानी और बढ़ गई है ट्रांस हिंडन और साहिबाबाद की कॉलोनी की सोसाइटियों के बाहर जल भराव होने से लोग अपने घरों से बाहर तक नहीं निकल पा रहे हैं कई इलाकों में भारी जाम लग रहा यूपी गेट से मोहन नगर तक और नोएडा सेक्टर 62 चौराहा से वसुंधरा तक लंबा जाम लग रहा बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली गुल रही बिजली नहीं होने के कारण लोगों को पानी भी नसीब नहीं हो पाया।

इंदिरापुरम के शक्ति खंड-3, न्याय खंड-1, काला पत्थर रोड, वैशाली, वसुंधरा, खोड़ा समेत कई अन्य जगहों पर बारिश के बाद जलभराव हो गया। इससे सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को उठानी पड़ी।

नोएडा जाने वालों को हुई भारी परेशानी

ऑफिस वह अन्य कर्म से नोएडा जाने वालों को पिछले दो दिनों से भारी परेशानी हो रही है कनवानी पर भारी जल भराव के कारण गाड़ियां रेंग रेंग कर चलती रही कनवानी स्थित नगर निगम के एसटीपी प्लांट के बाहर भारी जल जमाव है यहां सड़क भी काफी खस्ता हाल हो चुकी है। अलावा काला पत्थर यूपी गेट चंद्र नगर आराधना बॉर्डर भोपुरा लोनी रोड मोहन नगर अर्थला वैशाली पुलिया पर भारी जल भराव होने के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। लोगों का कहना है कि वसुंधरा से नोएडा सेक्टर 63 जाने में अमूमन 20 से 25 मिनट का समय लगता है लेकिन पिछले दो दिनों से इस दूरी को कवर करने में एक से सवा घंटा तक लग रहा है।

आरडब्लूए दफ्तर में भी भरा पानी

गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी का हाल बेहाल

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी की व्यवस्थाओं की पोल बारिश ने खोल दी है। मंगलवार को आरडब्लूए दफ्तर में बारिश के कारण पानी भर गया। जिसके कारण स्टाफ को भी आफिस से बाहर ही आकर बैठना पड़ा। सोसायटी के सेंट्रल पार्क में भी पानी भर गया। आरडब्लूए ऑफिस में मेंटिनेंस चार्ज जमा करने गए गौरव बंसल ने बताया कि आरडब्लूए दफ्तर के साथ साथ स्टोर रूम, किचिन आदि में भी पानी भर गया है। उन्होंने कहा कि आरडब्लूए की जिम्मेदारी होती है कि सोसायटी में सुविधाओं में सुधार किया जाए। लेकिन खुद आरडब्लूए के दफ्तर की हालत ही देखने लायक है तो स्थानीय निवासियों के लिए सुविधाओं कैसे होगी। गौरव बंसल ने कहा कि आरडब्लूए में होने वाले चुनाव में ऐसे लोगों का चुनाव होना चाहिए जो लोगों की समस्याओं का समाधान समय रहते कर सकें।

गाजियाबाद में आज सभी स्कूल बंद रहेंगे

SCHOOL
CLOSED

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लगातार हो रही भारी वर्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बुधवार को जनपद के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद में संचालित सभी परिषदीय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों, सीबीएसई और आईसीएससी बोर्ड से संबद्ध शिक्षण संस्थानों तथा मदरसा बोर्ड के स्कूलों में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक अवकाश रहेगा। उन्होंने कहा कि आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए संबंधित संस्थानों को निर्देशित कर दिया गया है। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को स्कूल न भेजें और मौसम को देखते हुए सतर्क रहें।

सूर्य हाइट, ग्रीन पार्क कॉलोनी

उत्तर प्रदेश में 2 से 8 सितंबर तक वर्षा की संभावना, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

लखनऊ/गाजियाबाद, करंट क्राइम : मौसम विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार प्रदेश में 2 से 8 सितंबर 2025 तक वर्षा की संभावना जताई गई है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने आम जनता से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

प्रशासन द्वारा जारी सावधानियां

- रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया से मौसम की निरंतर जानकारी प्राप्त करें।
- पुराने व जर्जर भवनों तथा कच्ची दीवारों से दूरी बनाए रखें।
- अत्यंत आवश्यक कार्य न हो तो घर से बाहर न निकलें।
- ढाबू (टिन) की छतों का उपयोग न करें और बिजली के तारों व पोल से दूर रहें।
- किसान अपनी फसलें व पशुधन सुरक्षित स्थान पर रखें।
- खुले स्थान पर वाहन पार्क न करें।
- मौसम की जानकारी के लिए राहत मोबाइल एप व वेबसाइट का उपयोग करें।
- आपात स्थिति में 108 / 102 या जिला आपदा नियंत्रण कक्ष (फोन: 0120-2989032, 1077) पर तुरंत संपर्क करें।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और किसी भी प्रकार की दुर्घटना या आपदा की स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

बालाजी एंक्लेव

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे

ये है लोनी का दिल्ली सहारनपुर हाईवे

जिस पर लोनी के या गाजियाबाद लोकसभा के किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं जाता आए दिन कोई न कोई जनप्रतिनिधि आकर नारियल फोड़ते है और चले जाते है लेकिन इस सड़क का काम कभी शुरू नहीं होता। आए दिन हादसे होते है जिस में अब तक सैकड़ों मासूमों की जान जा चुकी है। लेकिन सब कुछ देखकर भी सभी जनप्रतिनिधि आंखे मूंदे बैठे है। बस धार्मिक सियासत रह गई है लोनी में। विकास के नाम पर जीरो है। फर्जी वाहवाही लूटने में हीरो है।

आकाश नगर, कृष्णा स्वीट्स

इंदिरापुरम, वार्ड 79

वार्ड 96, पूर्व पार्षद का घर

नंदग्राम

गौशाला फाटक

कोशांबी, वार्ड 72

राजहंस प्लाजा मार्केट

गोल्फ लिंक

गांव सादत नगर इकला

शिवम विहार, वार्ड 1

वार्ड 47, शास्त्री नगर

वार्ड 73, मर्कज मस्जिद

इंदिरापुरम एच ब्लॉक

दैनिक करंट क्राइम सिर्फ सच...

हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया लाखों 'मन' पानी

दिल्ली में बाढ़! यमुना के रौद्र रूप से कॉलोनियों में हाहाकार, कैंपों में ले जा रहे सामान

दिल्ली में बाढ़ का खतरा
युमना खतरे के निशान से ऊपर

यमुना बाजार इलाके में भरा पानी, डूबा सामान

सड़कों पर गंदा पानी भरा, नाव चल रही

नई दिल्ली : दिल्ली पर एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। यमुना अपने रौद्र रूप में हैं, जिसकी वजह से लोगों में खौफ का माहौल है। खतरे को पहले से भांप कर प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। जिसके बाद क्या इंसान और क्या जानवर, सभी को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। यमुना में आखिर इतना पानी आया कहां से और क्या हैं तैयारियां, 10 पॉइंट्स में जानें सबकुछ।

दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर मंगलवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.80 मीटर तक पहुंच गया। नदी के बढ़ते जलस्तर ने दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। कई इलाकों में तो पानी घुस भी चुका है। यमुना बाजार इलाके में पानी भर गया है। आईटी छठ घाट डूब गया है। वहीं पुराना लोहे का पुल बंद कर दिया गया है।

यमुना बाजार इलाके की सड़कें नदी में तब्दील

निचले इलाकों में पानी भर गया है, यमुना बाजार इलाके में घर का सामान पानी में डूब चुका है। लोग अपने सामान को पानी से निकालकर घरों की छतों पर और बाहर बने शेल्टरों में जाने को मजबूर हैं। ये वही इलाका है, जहां का दौरा कर खुद सीएम रेखा गुप्ता ने हालात का जायजा लिया था।

यमुना बाजार इलाके के हालात इतने खराब हैं कि सड़कें नदी में तब्दील हो गई हैं। वहां पर नाव चल रही है। पानी में गंदगी और गाद को साफ देखा जा सकता है, जिसके बाद इनफेक्शन का खतरा भी बढ़ गया है। यमुना का जलस्तर 207 मीटर को पार करने की आशंका जताई जा रही है।

ताजा हालात को देखते हुए लोगों की मदद के लिए यमुना बाजार के ऊपरी इलाकों में कुछ शेल्टर बनाए गए हैं। यहां पर लोगों के खाने-पीने की भी व्यवस्था की गई है। कुछ लोगों की शिकायत है कि शेल्टर होम में बने टेंट के भीतर तख्त या बेडनुमा कोई चीज नहीं है। बच्चे, बूढ़ों को खास परेशानी हो रही है। दिल्ली के निचले इलाकों की स्थिति बहुत खराब है।

पुराने लोहा पुल पर नदी का जलस्तर 205.75 मीटर तक पहुंचा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा था कि सरकार स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार सुबह छह बजे पुराने यमुना पुल पर नदी का जलस्तर 205.68 मीटर पर था, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से काफी ऊपर है। अब यह ऊपर बढ़कर 205.75 मीटर तक पहुंच चुका है।

कब-कब खतरे के पार पहुंची यमुना?

साल 2023 में यमुना का जलस्तर 208 मीटर को पार कर गया था। तब भी दिल्ली में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई थी। तब कई इलाकों में घरों तक 8-8 फुट पानी भर गया था। ये तमाम निचले इलाके डूब क्षेत्र में आ गए थे। दिल्ली में साल 2010 में यमुना का जलस्तर 207.11 मीटर पहुंच गया था। वहीं 2013 में 207.32 मीटर पहुंच गया था।

हथिनीकुंड बैराज से 1.76 लाख क्यूसेक, वजीराबाद बैराज से 69,210 क्यूसेक और ओखला बैराज से 73,619 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की वजह से यमुना नादी उफान पर है, जिसकी वजह से दिल्ली में बाढ़ का संकट और गहरा हो गया है। तीनों बैराजों से और अधिक पानी छोड़े जाने की वजह से पानी लगातार बढ़ रहा है।

यमुना किनारे रहने वाले लोग कैंपों की तरफ दौड़ रहे : दिल्ली में बाढ़ के खतरे तो देखते हुए अधिकारी सतर्क हैं। उन्होंने लोगों से नदी से सटे इलाकों को तुरंत खाली करने का निर्देश दिया है। यमुना किनारे रहने वाले लोग अब सुरक्षित जगह की तलाश में पलायन शुरू कर चुके हैं। वह अपनी जरूरी चीजों को पानी से बाहर निकालकर छतों पर लेकर जा रहे हैं। कुछ लोग कैंपों की तरफ दौड़ रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

यमुना में बढ़ते जलस्तर की वजह से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें कहा गया है कि पुराना लोहे का पुल 2 सितंबर को शाम 4 बजे से अगले आदेश तक यातायात और आम जनता की आवाजाही के लिए बंद रहेगा। ट्रैफिक को हनुमान सेतु, राजा राम कोहली मार्ग और गीता कॉलोनी रोड से डायवर्ट किया जाएगा। लोग पुराने लोहे के पुल और आसपास के इलाकों से बचें। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और पर्याप्त समय लेकर यात्रा की योजना बनाएं।

सड़क के किनारे टेंट की व्यवस्था : बता दें कि दिल्ली में लगातार हो रही बारिश की वजह से यमुना बाजार इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए थे।

4 सितंबर को बिहार को लगेगा ताला

पीएम मोदी की मां पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ एनडीए करेगा प्रदर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली दिए जाने के विरोध में एनडीए ने 4 सितंबर को सुबह 7 से 12 बजे तक बिहार बंद का आह्वान किया है। पटना में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी घटक दलों ने इस बंद की घोषणा की।

पीएम मोदी के भावुक होने के बाद
NDA का बिहार बंद का ऐलान
बिहार बंद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली दिए जाने के मामले में एनडीए ने कड़ा विरोध जताते हुए बिहार बंद का आह्वान किया है। बंद की घोषणा मंगलवार को पटना में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। एनडीए नेताओं ने बताया कि 4 सितंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिहार बंद रहेगा।

इस दौरान एनडीए ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाओं (इमरजेंसी सर्विसेज) को बाधित नहीं किया जाएगा। बंद शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि प्रधानमंत्री की मां को गाली देकर जिस तरह से उनका अपमान किया गया है, उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस शर्मनाक बयान का एनडीए के सभी घटक दल जोरदार विरोध करेंगे।

घोषणा के अनुसार, बीजेपी महिला मोर्चा को बंद की कमान सौंपी गई है। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे और एकजुटता दिखाते हुए बंद को सफल बनाने की अपील की।

एनडीए नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां को गाली देना न केवल एक व्यक्ति का अपमान है, बल्कि देश की मातृशक्ति का भी अपमान है। इसका जवाब शांतिपूर्ण बंद के जरिए दिया जाएगा।

गौरतलब है कि बिहार में ह्यवोटर अधिकार यात्राह्न के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर अभद्र टिप्पणी की गई थी।

यह घटना अगस्त 2025 के अंतिम सप्ताह में हुई, जिसके बाद बिहार पुलिस ने कथित आरोपी 20 वर्षीय रियाज को गिरफ्तार कर लिया।

उसके खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं में मामला दर्ज हुआ। कार्यक्रम में नारेबाजी से जुड़े अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी कर जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जाएगी।

करंट क्राइम के पाठकों ने भेजी जलभराव की फोटो

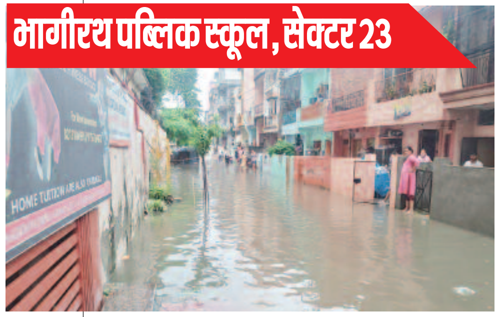
भागीरथ पब्लिक स्कूल, सेक्टर 23

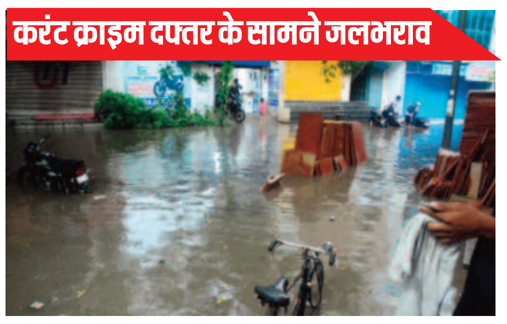
करंट क्राइम दफ्तर के सामने जलभराव

गांधी नगर

नंदग्राम जाम

लाल कुआं, कृष्णा नगर

नंदग्राम

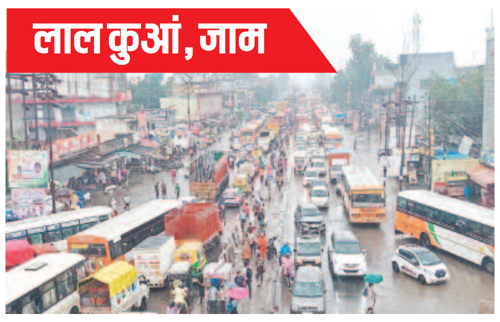
लाल कुआं, जाम

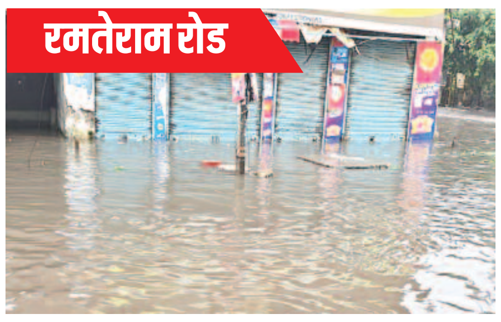
रमतेराम रोड

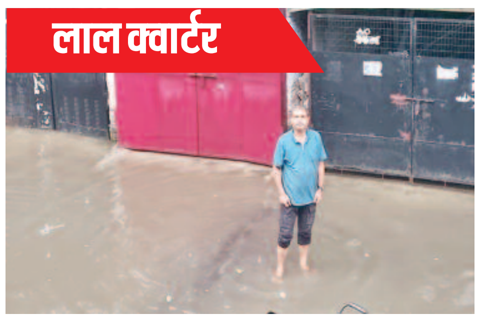
लाल क्वार्टर

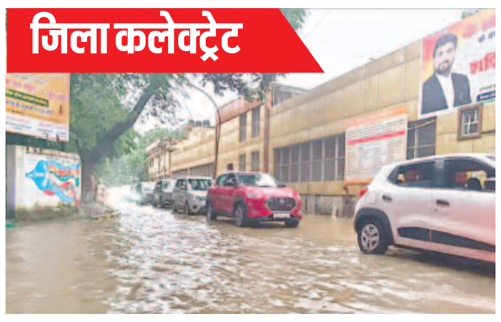
जिला कलेक्ट्रेट

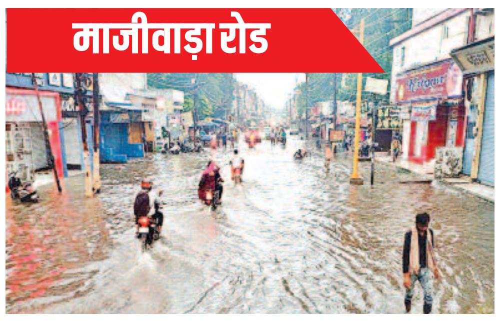
माजीवाड़ा रोड

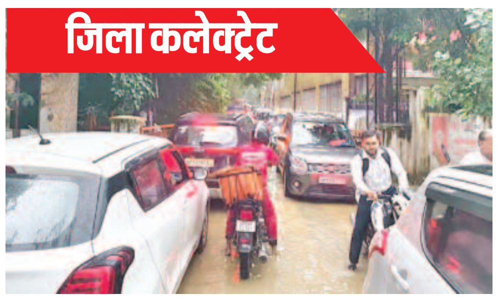
जिला कलेक्ट्रेट

नगर आयुक्त के घर के सामने का नजारा

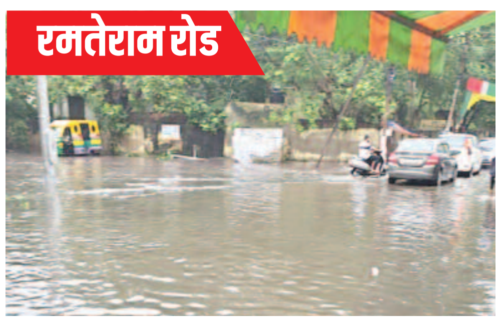
रमतेराम रोड

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे ने भूख हड़ताल वापस ली, सरकार ने बड़ी मांगें मानीं

मुंबई: हाईकोर्ट ने मराठा क्रांति मोर्चा के नेता मनोज जरांगे पाटिल को कल यानी बुधवार तक आजाद मैदान में बैठने की अनुमति दे दी है। इस बीच सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी मिली है कि देर रात तक मनोज जरांगे पाटिल पहली 'गुड न्यूज' साझा कर सकते हैं। मनोज जरांगे पाटिल की पांच मांगों को सरकार ने मान लिया है। इसमें हैदराबाद गैजेट के आधार पर जीआर जारी करने और फिर सतारा गैजेट (पश्चिम महाराष्ट्र) को संज्ञान में लेने की प्रमुख मांगें शामिल हैं। जरांगे ने यह भी मांग की थी कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज किए गए सभी मामले वापस लिए जाएं। मनोज जरांगे पाटिल ने 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल शुरू की थी। आज उनकी हड़ताल का पांचवां दिन हैं। उन्होंने सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए पानी भी छोड़ दिया था। मोटेतौर पर सरकार ने जरांगे की लगभग सभी मांगें मान ली हैं।

हैदराबाद राजपत्र को मंत्रिमंडल की मंजूरी : एक अन्य अहम घटनाक्रम में मराठा समुदाय का आरक्षण संघर्ष एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर गया है। राज्य मंत्रिमंडल की उप-समिति ने हैदराबाद राजपत्र को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल के हस्ताक्षर के तुरंत बाद सरकारी प्रस्ताव (जीआर) की घोषणा की जाएगी। मराठा समुदाय की मांगों को मजबूत करने वाला यह फैसला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। उप-समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण विखे पाटिल, जयकुमार गोरे, शिवेंद्रराजे भोसले और माणिकराव कोकाटे ने मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल से मुलाकात की। उन्होंने नया मसौदा पेश किया तथा सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि यह जीआर जारी होने के बाद आजाद मैदान में मनोज जरांगे गुड न्यूज का ऐलान कर सकते हैं, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने जरांगे को आश्वस्त किया है कि मराठा आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए सभी वापस ले लिए जाएंगे।

हर गांव में मनेगा जश्न : यह जानकारी सामने आई है कि सरकार की तरफ से आजाद मैदान गए मंत्रियों ने जरांगे को बता दिया है कि हैदराबाद राजपत्र में मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी का दर्जा देने के लिए एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया जाएगा। इस पर आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि हम मुख्य रूप से अपने गांव लौटने के बाद जश्न मनाएंगे। हर गांव में जश्न मनाया जाएगा। जरांगे ने मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान सरकार की तरफ से रखे गए प्रस्ताव को मान लिया है।

जरांगे की मांग और सरकार का स्टैंड : पहला मुद्दा हैदराबाद गजट के तत्काल कार्यान्वयन का था। इस पर सरकार सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी करेगी। यह जीआर अगले कुछ घंटे में सामने आ सकता है। गांव के मराठा समुदाय के व्यक्तियों को सत्यापन के बाद कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। उधर, बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें जरांगे की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश मानेशिंदे पेश हुए। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की उप-समिति के साथ बातचीत के लिए समय की मांग स्वीकार कर ली।

उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका
हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने साल 2020 में हुए दंगों से जुड़ी कथित साजिश के मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद, शरजील इमाम सहित कई अन्य आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। मंगलवार को न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शैलिंदर कौर की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया।

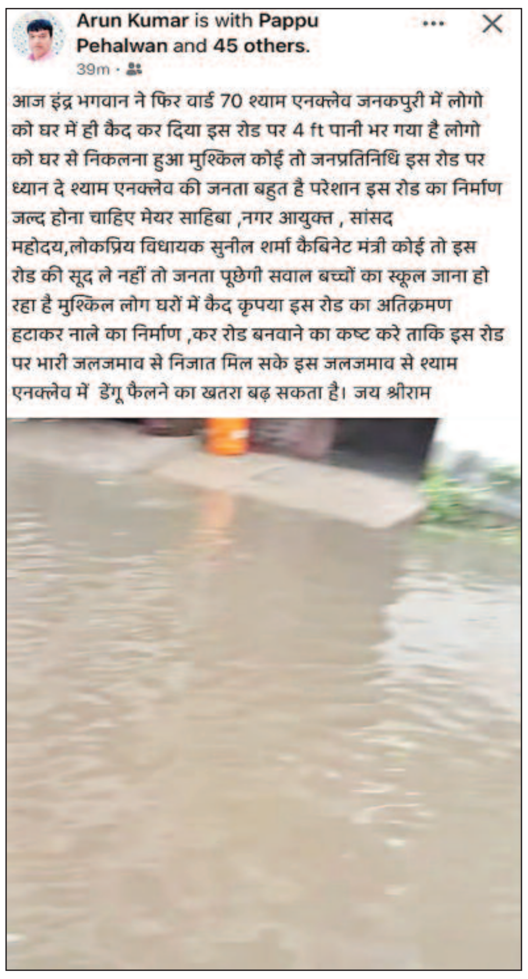

Arun Kumar is with Pappu Pehalwan and 45 others.
39m ·

आज इंद्र भगवान ने फिर वार्ड 70 श्याम एनक्लेव जनकपुरी में लोगो को घर में ही कैद कर दिया इस रोड पर 4 ft पानी भर गया है लोगो को घर से निकलना हुआ मुश्किल कोई तो जनप्रतिनिधि इस रोड पर ध्यान दे श्याम एनक्लेव की जनता बहुत है परेशान इस रोड का निर्माण जल्द होना चाहिए मेयर साहिबा ,नगर आयुक्त , सांसद महोदय,लोकप्रिय विधायक सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री कोई तो इस रोड की सूद ले नहीं तो जनता पूछेगी सवाल बच्चों का स्कूल जाना हो रहा है मुश्किल लोग घरों में कैद कृपया इस रोड का अतिक्रमण हटाकर नाले का निर्माण ,कर रोड बनवाने का कष्ट करे ताकि इस रोड पर भारी जलजमाव से निजात मिल सके इस जलजमाव से श्याम एनक्लेव में डेंगू फैलने का खतरा बढ़ सकता है। जय श्रीराम

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। बुधवार 03 सितंबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

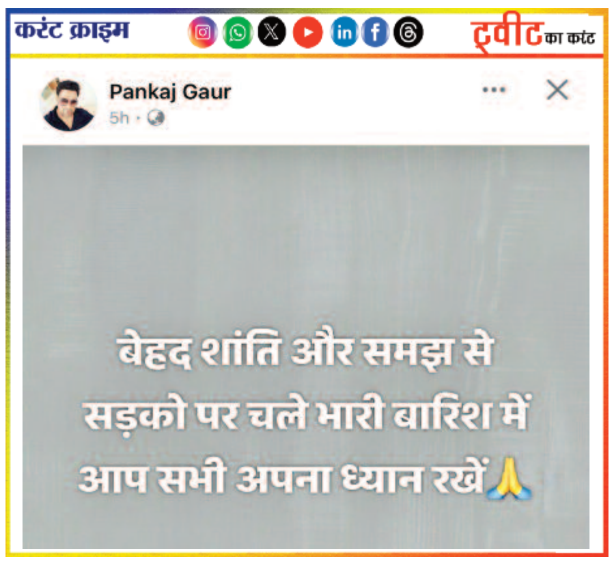

Pankaj Gaur
5h ·

बेहद शांति और समझ से सड़को पर चले भारी बारिश में आप सभी अपना ध्यान रखें🙏

गाजियाबाद में विकास की नई इबारत, जीडीए बोर्ड बैठक में लिए गए ऐतिहासिक फैसले

नई आवासीय योजना 'हरनंदीपुरम' और औद्योगिक पार्क को मिली मंजूरी

शहर की बढ़ती जनसंख्या और आवासीय मांग को देखते हुए बोर्ड ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया। लगभग बीस वर्ष बाद गाजियाबाद को नई आवासीय योजना हरनन्दीपुरम मिलने जा रही है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की 170वीं बोर्ड बैठक मंगलवार को मेरठ मण्डल के आयुक्त एवं प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में कुल 16 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें कई ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगी।

बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि लंबे समय से अटकी मधुबन-बापूधाम योजना को लेकर रही। वर्ष 2004 से चली आ रही भूमि जुटाव की दिक्कतों, किसानों के विरोध और न्यायालयी अड़चनों के बाद आखिरकार समाधान का रास्ता निकाल लिया गया है। प्रभावित कृषकों को अब 6 प्रतिशत विकसित भूमि और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित 20 प्रतिशत भूखण्ड दिए जाएंगे। साथ ही, श्मशान के निकट आवंटित भूखण्डों को अन्यत्र स्थानांतरित कर योजना के मानचित्र में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। यह फैसला न सिर्फ वर्षों पुरानी समस्या को समाप्त करेगा बल्कि किसानों और आवंटियों दोनों को राहत देगा। बोर्ड के इस निर्णय के बाद प्राधिकरण लॉटरी के माध्यम से किसानो को विकसित भूखंड देना प्रारम्भ करेगा, जो इतने वर्षो की रुकी परियोजना मे जान डाल कर पुनः जीवित कर लगभग 4000 करोड़ की परिसंपत्तियों को अनलॉक करेगा।

इसी कड़ी में, गाजियाबाद की औद्योगिक पहचान को और मजबूत करने के लिए ग्राम सैदपुर हुसैनपुर डीलना में लगभग 251 हेक्टेयर भूमि पर अत्याधुनिक औद्योगिक टाउनशिप-सह-लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने का निर्णय लिया गया। इससे न केवल निवेश को नई दिशा मिलेगी बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

शहर की बढ़ती जनसंख्या और आवासीय मांग को देखते हुए बोर्ड ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया। लगभग बीस वर्ष बाद गाजियाबाद को नई आवासीय योजना हरनन्दीपुरम मिलने जा रही है। इसमें आठ गांवों की भूमि सम्मिलित की जाएगी, जिसमें से अधिकतर भूमि आपसी सहमति से खरीदी जाएगी और शेष भूमि का अधिग्रहण भू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम, 2013 के तहत किया जाएगा। यह योजना आम जनता के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। जनसामान्य की सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बैठक में ह्य उत्सव भवन ह्ल के निर्माण और संचालन का भी निर्णय लिया गया। यह आधुनिक सामुदायिक केन्द्र होगा जहाँ शादी-ब्याह, पारिवारिक और सामाजिक कार्यक्रम किफायती दरों पर आयोजित किए जा सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी सकारात्मक पहल की गई। ग्राम डासना स्थित सुन्दरदीप एजुकेशनल सोसाइटी की लगभग 8.93 हेक्टेयर भूमि को ह्यकृषिह्ल से ह्यसंस्थागतह्ल भू-उपयोग में परिवर्तित करने की मंजूरी दी गई, जिससे शिक्षा और अनुसंधान को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके साथ ही, गाजियाबाद, लोनी और मोदीनगर महायोजना-2031 के अंतर्गत शेष क्षेत्रों के जोनल डेवलपमेंट प्लान तैयार करने हेतु कंसलटेंट्स के चयन का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। इससे शहर के सुनियोजित विकास की रूपरेखा और मजबूत होगी। इन सभी फैसलों के साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में गाजियाबाद न केवल किफायती आवास और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि उद्योग, शिक्षा और सामाजिक ढाँचे के मामले में भी प्रदेश में मिसाल कायम करेगा।

जब कार्यकारिणी वाले हाल को लेकर पूछा पूर्व मेयर अशु वर्मा से सवाल

मेयर को सही बताया, संगठन को सही बताया और जवाब को गए मुस्कराकर टाल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कार्यकारिणी का चुनाव हुआ और इस चुनाव में जो कुछ वो पहले कभी नहीं हुआ। दो बार डीसी गर्ग मेयर रहे, दमयंती गोयल मेयर रहीं, तेलूराम काम्बोज मेयर रहे, अशु वर्मा मेयर रहे और आशा शर्मा मेयर रहीं। खास बात ये है कि ये सभी मेयर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े जीते और अलग-अलग सरकारों में मेयर रहे, लेकिन सोमवार को निगम कार्यकारिणी चुनाव में जो कुछ हुआ उसे सभी ने देखा और सुना। दैनिक करंट क्राइम ने निगम कार्यकारिणी के हाल को लेकर पूर्व मेयर अशु वर्मा से सवाल किया। अशु वर्मा मेयर रहे हैं और वो सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं। दैनिक करंट क्राइम ने उनसे सवाल किया कि यदि आप मेयर होते और आपके कार्यकाल में कार्यकारिणी चुनाव होता और यही सब परिस्थितियां होती तो ऐसे में आप क्या निर्णय लेते।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने पहले तो इस सवाल पर कुछ देर के लिये मौन धारण कर लिया। ऐसा लग रहा था जैसे वो भीतर के शब्दों को बाहर ना आने के निर्देश दे रहे हों। मौन धारण करने के बाद फिर उनके चेहरे पर स्माइल आई और उसके बाद उन्होंने अपने विचार रखने शुरू किये। विचारों से पहले उन्होंने अपने उस मुखर अंदाज को सॉफ्ट किया जिस मुखर अंदाज के साथ वो सोशल मीडिया पर दिखाई देते हैं। इसके बाद पूर्व मेयर अशु वर्मा पूरी तरह से डिफेंसिव अंदाज में आए और कहा कि जो भी निर्णय उस समय के हालात मौके को देखकर मेयर सुनीता दयाल ने लिया है तो मैं ये कह सकता हूं कि निश्चित ही उन्होंने ठीक फैसला लिया होगा।

इस पर करंट क्राइम ने पूर्व मेयर अशु वर्मा को याद दिलाया कि सवाल आपसे पूछा गया है कि यदि आप होते तो क्या करते। इस पर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने कहा कि मैं ना तो कार्यकारिणी चुनाव के दौरान उस समय मौके पर था और ना ही मुझे उन परिस्थितियों की जानकारी है जिन परिस्थितियों में यह सब हुआ है। लिहाजा यह कहना मुश्किल है कि अगर मैं होता, मेरे कार्यकाल में ऐसा हुआ होता तो क्या होता। इसके बाद करंट क्राइम ने पूर्व मेयर अशु वर्मा यह पूछा कि आप भी संगठन में रहे हो और आप जनप्रतिनिधि भी रहे हो तो ऐसे में महानगर अध्यक्ष के रूप में मयंक गोयल ने वहां पहुंचकर कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया, इसे आप किस दृष्टि से देखते हैं। इस पर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने यहां भी वही अंदाज अपनाया और कहा कि महानगर अध्यक्ष के रूप में मयंक गोयल ने जो निर्णय लिया वो भी उन्होंने अपने अनुसार ठीक लिया और अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठनात्मक दृष्टि से ठीक फैसला लिया होगा। इस तरह से पूर्व मेयर अशु वर्मा ने बात को पूरी तरह घुमा दिया।

गोलियों की बरसात में दो बदमाश बने लंगड़े

तीसरा भी सलाखों के पीछे

गिरफ्तार अभियुक्त :

1. हर्ष पुत्र राजपाल, निवासी ग्राम तिगरी थाना खेकड़ा, बागपत (22 वर्ष) – घायल
2. सोमवीर पुत्र राधेश्यम, निवासी ग्राम अकुरी, थाना कासगंज (20 वर्ष) झ घायल
3. अनुज पुत्र कुमरपाल, निवासी ग्राम नौरैया, थाना उझानी, बदायूं (20 वर्ष) झ गिरफ्तार

बरामदगी

- ■ 02 अवैध तमंचा .315 बोर
- ■ 02 खोखा कारतूस व 02 जिंदा कारतूस
- ■ लूटी गई स्कूटी
- ■ 2800 रुपये नकद

पुलिस की कार्रवाई : घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि तीनों 1 सितंबर को ट्रॉनिका सिटी थाने में दर्ज लूट की वारदात में भी शामिल थे। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को मंगलवार रात मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस और बदमाशों के बीच हुई गोलीबारी में दो बदमाश गोली लगने से लंगड़े हो गए, जबकि तीसरे को सामान्य अवस्था में दबोच लिया गया।

घटना का विवरण : गेट नंबर-2 के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक स्कूटी (DL9SBW5757) पर सवार तीन युवकों को रोकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे और पीछा करने पर पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे मौके पर गिर पड़े।

कार्यकारिणी चुनाव को लेकर मयंक गोयल ने दिया स्पष्ट संदेश

कहा, पार्टी का निर्देश होगा तो फिर दिखाएंगे हम अपना फेस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कार्यकारिणी का जो चुनाव भाजपा विपक्ष से निर्विरोध जीत लाई थी उस चुनाव में भाजपाई ही आपस में ऐसा उलझे कि गतिरोध पैदा हो गया। जिस चुनाव में भाजपा को बड़े आराम से क्लीन स्वीप करना था उस चुनाव में भाजपा ही दो टीमों में बंट गई। एक टीम संगठन की हो गई और दूसरी टीम मेयर की हो गई। भाजपा में संगठन को सर्वोपरि माना जाता है और यही एक वजह है कि चुनाव चाहे नगर निगम का हो, चुनाव चाहे नगर पालिका हो, चुनाव निगम द्वारा आने वाले जीडीए बोर्ड सदस्य का हो , लेकिन चेहरों को लेकर फैसला निगम सदन के मुखिया के हाथ में नहीं होता है। ये फैसला संगठन के अध्यक्ष के हाथ में भी नहीं होता है और यहां कौन चेहरा क्या बनेगा, ये कोर कमेटी तय करती है। कोर के फैसले के आगे फिर किसी का जोर नहीं चलता है।

सोमवार को नगर निगम कार्यकारिणी का चुनाव हुआ और इस चुनाव में भाजपा जीत भी गई, गले में जीत वाली माला भी आ गई, लेकिन यहां हालात ऐसे बने कि जीत वाली माला टूट गई और जिस चुनाव को भाजपा बड़े आराम से जीत रही थी वो चुनाव उतनी ही आराम से निरस्त हो गया। सवाल ये है कि क्या इस घटना के बाद संगठन आगे के चुनावों में नहीं जाएगा। क्या निगम के किसी मामले में संगठन अपने किसी उम्मीदवार के साथ नहीं आएगा। क्योंकि यहां संदेश संगठन और जनप्रतिनिधि के बीच टकराव का चला गया है।

एक माला को लेकर पूरा बवाल हुआ। अब संगठन का क्या रुख रहेगा इसे लेकर दैनिक करंट क्राइम ने भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल से बात की। दैनिक करंट क्राइम ने ये सवाल किया कि चलो ये चुनाव स्थगित हो गया, वजह जो भी रही लेकिन ये चुनाव अब आगे भी होगा। तो एक अध्यक्ष के रूप में क्या आप चुनाव के दौरान जाएंगे। वहां दिखाई देंगे। इस सवाल पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि मैं मूल रूप से भाजपा का कार्यकर्ता हूं और भाजपा कार्यकर्ता के लिये संगठन सर्वोपरि होता है, पार्टी सर्वोपरि होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी जब भी संगठनात्मक दृष्टि से मुझे जो निर्देश देगी मैं उनका पालन करूंगा। पार्टी मुझे जहां कहेगी वहां जाऊंगा। मयंक गोयल ने कहा कि जहां तक निगम कार्यकारिणी चुनाव में जाने की बात है तो अगर पार्टी मुझे कहेगी तो मैं जरूर जाऊंगा और अगर पार्टी नहीं कहेगी तो नहीं जाऊंगा। मयंक गोयल ने कहा कि हम भाजपा संगठन कार्यकर्ता हैं और हमारे लिये व्यक्ति नहीं बल्कि पार्टी के दिशा-निर्देश सर्वोपरि होते हैं। पार्टी से बढ़कर मेरे लिये कुछ भी नहीं है। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने यहां पूरा मामला संगठन और पार्टी के फैसले पर छोड़ा है और उन्होंने ये संदेश दिया है कि पार्टी के निर्देश अगर मिले तो फिर हम जरूर दिखाई देंगे।

गाजियाबाद पुलिस की बड़ी पहल

थानों पर सीसीटीवी कंट्रोल रूम स्थापित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर में अपराध नियंत्रण, पारदर्शिता और नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर जिले के सभी थानों पर सीसीटीवी कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं। इन कंट्रोल रूम के जरिए थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण चौराहों, सार्वजनिक और संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए कैमरों की रियल टाइम मॉनीटरिंग की जा रही है।

सीसीटीवी बने 'डिजिटल प्रहरी'

पुलिस का कहना है कि ये कैमरे उनकी 'तीसरी आंख' की तरह काम करेंगे। इनके जरिए अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन स्थितियों पर तुरंत नजर रखी जा सकेगी। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी से अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी आसान होगी, वहीं जनता में भी सुरक्षा का एहसास बढ़ेगा।

भविष्य की योजना : कमिश्नरेट गाजियाबाद के हर गली-मोहल्ले तक सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

संपादकीय

पीएम का ट्रंप को संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नहीं लिया, लेकिन संरक्षणवाद, एकाधिकारवाद और वर्चस्ववाद के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने इनके खात्मे की बात कही, क्योंकि वैश्विक, लोकतांत्रिक, कूटनीतिक व्यवस्था में ये उचित नहीं हैं। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी का संदेश व्हाइट हाउस तक पहुंच गया होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमरीका की नीतियों पर कड़े प्रहार किए थे। इसके अलावा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि अमरीका को शीत युद्ध वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। अमरीका दूसरे देशों को धमकाना भी छोड़ दे। विश्व के परिदृश्य और समीकरण बदल रहे हैं। सोमवार, 1 सितंबर, 2025 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक चित्र मोदी, पुतिन, जिनपिंग की अंतरंग मुलाकात का रहा, जिसे क्रेमलिन और बीजिंग ने भी जारी किया। भारत के टीवी चैनलों पर सुबह के प्रसारण में यह वीडियो छाया रहा। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि मोदी, पुतिन, जिनपिंग की मुलाकात संक्षिप्त थी, लेकिन ह्यव्हाइट हाउस को चौंका दिया गया। बेशक भारत और रूस कई दशक पुराने मित्र देश हैं, लेकिन भारत-चीन के संबंधों में कई विरोधाभास और विश्वासघात हैं। उनके बावजूद ह्यशंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर तीन शीर्ष नेताओं की दोस्ती के नए अध्याय ने बहुत कुछ कह दिया है।

हालांकि 50-52 साल के राजनय का अनुभव रखने वाले कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एससीओ कभी भी नाटो का विकल्प नहीं हो सकता। नाटो में कई बड़े देश शामिल हैं और उसे अमरीका जैसी महाशक्ति का समर्थन भी हासिल है। नाटो का संकल्प है कि यदि एक सदस्य-देश पर हमला हुआ, तो उसका प्रतिकार सभी नाटो देश लेंगे। सभी सदस्य-देश युद्ध में कूद पड़ेंगे। नाटो के देश आपस में कई सूचनाएं (खुफिया भी) साझा करते हैं। आर्थिक और सामाजिक रूप से भी जुड़े रहते हैं, लेकिन एससीओ में भारत, रूस, चीन के अलावा अधिकांश देश छोटे और विकासशील हैं। कुछ देश गरीब भी हैं, जिनकी जिंदगी कर्ज के भरोसे है। एससीओ में ऐसा कोई साझा संकल्प पारित नहीं किया गया है, जैसा नाटो के देशों ने पारित किया है। राजनयिकों का मानना है कि यदि भारत, रूस, चीन का एक ह्यईमानदार त्रिकोण बनता है, तो वह अमरीका के लिए वाकई गंभीर चुनौती होगा, लेकिन इन देशों को हकीकत में संबंधों को बदलते और प्रगाढ़ होते दिखाना होगा। फिलहाल कोई बड़ी उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बहरहाल यह सबसे अधिक आश्चर्यजनक रहा, जब चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का विरोध किया। उन्होंने आतंकवाद का तीन बार उल्लेख किया और 5000 जवानों का ह्यआतंकवाद निरोधी दस्ता तैयार करने की पेशकश की। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 बार आतंकवाद का जिक्र किया। इसी मुद्दे पर एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में साझा बयान तैयार नहीं किया जा सका था, क्योंकि आतंकवाद का मुद्दा गायब था और हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया था।

रोचक तथ्यों का करंट

- 259x39xआपकी उम्र = तीन बार आपकी उम्र।
- 2520 ऐसा सबसे छोटा अंक है जो 1 से लेकर 10 तक के सभी अंको से पूरा डिवाइड हो सकता हैं।
- अगर एक जगह पर 23 आदमी खड़े है तो उनमें से 2 का जन्मदिन मिलने की संभावना 50% हैं।
- 21978 को 4 से गुणा करने पर उत्तर इस संख्या का उल्टा 87912 आयेगा।
- स्कूल के समय में 74% लड़कियाँ विज्ञान, तकनीकी इंजीनियर और गणित में अपनी रूचि दिखाती है लेकिन कॉलेज के टाइम पर सिर्फ 0.4% लड़कियाँ ही कंप्यूटर लेती हैं।
- जीरो (0) अकेला ऐसा अंक है जिसे हम रोमन में नहीं लिख सकते।
- 555 को थाईलैंड में 'हाहाहा' के तौर पर प्रयोग किया जाता है क्योंकि 'फाइव' का उच्चारण वहां 'हा' होता हैं।
- जीरो एक सम संख्या हैं। झींगे का खून किसी भी रंग का नहीं होता पर जब खून बाहर निकलता है तो ऑक्सीजन गैस के साथ मिलकर नीले रंग में परिवर्तित हो जाता हैं।

राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें।

वृष : अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद–फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं।

कर्क : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह : पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु :खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

कन्या : परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

तुला : थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक : शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्?थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी।

धनु : प्रेम–प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी।

मकर : कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुंभ : आशंका–कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन : अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा–पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

शेयर बाजार में बिकवाली शुरूआती बढ़त गंवाकर 206 अंक फिसला सेंसेक्स

निफ्टी 24600 से नीचे

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की बैठक शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट दिखी। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में आखिरी घंटे में मुनाफावसूली से मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरूआती बढ़त गंवाकर लाल निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 206.61 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 80,157.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में मुनाफावसूली के कारण सूचकांक दिन के उच्चतम स्तर 80,761.14 से 752.64 अंक नीचे आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 24,579.60 पर बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को 6 पैसे गिरकर 88.16 (अनंतिम) के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों का कैसा रहा हाल सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो नुकसान में बंद हुए। हालांकि, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ में रहे। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 69.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.72 प्रतिशत बढ़कर 69.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,429.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,344.93 करोड़ रुपये की खरीदारी की। सोमवार को सेंसेक्स 554.84 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 80,364.49 पर और निफ्टी 198.20 अंक या 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,625.05 पर बंद हुआ।

सतर्कता के बीच बिकवाली से बाजार में गिरावट

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूत वृहद आंकड़ों से शुरूआती बढ़त गंवा दी। जीएसटी परिषद की बैठक ओर वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) की समाप्ति से पहले सतर्कता के बीच मुनाफावसूली के कारण बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। गिरावट का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों ने किया।

03 सितंबर से शुरू होगी दो दिवसीय जीएसटी परिषद की बैठक

जीएसटी परिषद की नई दिल्ली में 3 सितंबर से दो दिवसीय बैठक हो रही है, जिसमें दरों में प्रस्तावित कटौती पर चर्चा की जाएगी।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को श्रम दिवस की छुट्टी के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे।

'भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी'

चीन के साथ रिश्तों पर ये बोले गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत और चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं, जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे, तनाव कम होना स्वाभाविक परिणाम होगा। भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। वाणिज्य उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। साथ ही गोयल ने बताया कि भारत और चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। दो महान देश की समस्या का समाधान निकाल लेंगे- गोयल गोयल ने उद्योग मंडल के एक सतत विकास संबंधी कार्यक्रम में कहा कि बहुत कुछ हुआ है, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

अमेरिका के साथ हम बीटीए पर संवाद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है।

उन्होंने दावा किया कि मुझे लगता है कि दो महान देश (भारत और अमेरिका) इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे। लेकिन रूसी तेल खरीदने और फिर उसे बेचने, व यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित करने के मामले में भारत कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा रहा है।

भारत और अमेरिका के बीच हो चुकी है पांच दौर की वार्ता भारत और अमेरिका मार्च से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

जीएसटी के ढांचे में सुधार के बाद भी राज्य शुद्ध रूप से लाभ हासिल करते रहेंगे

एसबीआई रिसर्च का अनुमान

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार प्रस्तावित जीएसटी सुधार से शुद्ध लाभार्थी बने रहेंगे। पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए इसमें कहा गया है कि कर दरों में तत्काल कटौती से अल्पावधि में संग्रह पर असर पड़ सकता है। हालांकि बाद में इसमें सुधार देखने को मिलता है। जीएसटी सुधार से राज्य शुद्ध लाभार्थी बने रहेंगे। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस वित्त वर्ष में जीएसटी राजस्व (हस्तांतरण सहित) 14.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है।

जीएसटी परिषद के पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए इसमें कहा गया है कि कर दरों में तत्काल कटौती से अल्पावधि में संग्रह पर असर पड़ सकता है। 2018 और 2019 में दरों के युक्तिकरण के दौरान यह देखा गया था कि मासिक जीएसटी संग्रह में करीब तीन से चार प्रतिशत की गिरावट आई थी। यह लगभग 5,000 करोड़ रुपये (सालाना आधार पर 60,000 करोड़ रुपये) के बराबर थी। हालांकि, इसके बाद राजस्व में तेजी से सुधार हुआ और महीने-दर-महीने औसतन पांच से छह प्रतिशत की स्थायी वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र का प्रस्ताव केंद्र ने जीएसटी दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत पांच और 18 प्रतिशत की दो स्तरीय कर संरचना अपनाई जाएगी। साथ ही कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की दर लागू की जाएगी। वर्तमान में, जीएसटी चार स्तरीय संरचना में है- 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत। इसके अलावा, विलासिता और अवगुण वस्तुओं पर एक से 290 प्रतिशत तक का क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। हालांकि, आठ विपक्षी शासित राज्यों ने राजस्व संरक्षण या मुआवजे की मांग करते हुए कहा है।

चेन्नई में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

'जीएसटी में सुधार अर्थव्यवस्था को पारदर्शी बनाएंगे'

नई दिल्ली। जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे। इसके साथ ही इसके अमल में आने से अनुपालन का बोझ भी घटेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को चेन्नई में यह बात कही। वित्त मंत्री सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहीं थीं। कार्यक्रम के दोश्रान राष्ट्रपति द्रौपदी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं।

वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 56 करोड़ जनधन खाते खोले गए, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि 67 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण, अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए। 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि 18 वर्षों में पहली बार एसएंडपी की ओर से भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण ने बताया कि भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में भी काफी सुधार किया है। वित्त मंत्री ने बताया कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे व अनुपालन बोझ में कमी लाएंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खुला और पारदर्शी बनाएंगे।

चुटकुले

संता : पंडित जी, मेरी शादी नहीं हो रही है..
कोई उपाय बताओ।
पंडित जी : सबसे पहले, बड़ो से 'सदा सुखी रहो' के
आशीर्वाद लेना बंद करो।

पत्नी : सुनो जी, मैं मोटी तो नहीं लग रही?
पति : अरे पगली, तुम तो बहुत पतली लग रही हो!
पत्नी (खुश होकर) : सच?
पति : हाँ, पतली वाली रस्सी जैसी, जो पंखे से लटकती है!

हॉस्टल स्टूडेंट अपने दोस्त से :
भाई धोखा हो गया धोखा
दोस्त :– क्या हो गया?
स्टूडेंट : घर से बुक्स के लिए पैसे
मंगवाए थे,घर वालों ने
बुक्स ही भेज दी।

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

03 09 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

विवेक ओबरॉय
(अभिनेता)

आरिज खान

दिया नागर

इंदु जौहरी

कीर्ति सक्सेना

काजल रानी

मनीष सिंह

संजीव सिंघल

शुभम त्यागी

विनेश चौधरी

रोहन

आकाश वशिष्ठ

अशोक कुमार

शिवमोहन गोयल

उमेश अग्निहोत्री

विपुल शर्मा

राकेश गुसाई

सुशील कुमार

अर्पित पांडेय

दीपक शर्मा

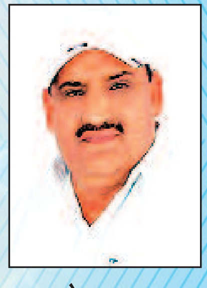

महेश प्रधान

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई की

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी। चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया।

भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी से हार के साथ टूट गया। चिराग ने कहा, 'मुझे लगता है कि आरोन और सोह के खिलाफ जीत निश्चित रूप से बहुत खास है। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि अगर हम सही रणनीति के साथ खेलें तो हम किसी को भी हरा सकते हैं। हाल ही में उनके खिलाफ हमारा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा था। विशेष कर ओलंपिक खेलों में जहां हमें उनके हाथों हार का सामना करना पड़ा था।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए उन्हें लगातार गेम में हराने से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ा और यह पिछले साल के ओलंपिक खेलों की एक तरह से भरपाई भी थी। हम ओलंपिक में उसी कोर्ट पर उनसे हार गए थे। इसलिए उनके खिलाफ जीत वास्तव में खास थी।' एक साल पहले सात्विक और चिराग को ओलंपिक में पदक से चूकने का दर्द सहना पड़ा था, जब मलेशियाई जोड़ी ने उनका अभियान बीच में ही रोक दिया था।

कांस्य पदक जीतने के साथ ही सात्विक और चिराग विश्व चैंपियनशिप में एक से अधिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गए हैं।

जलभराव पर बरसे मौ. जाकिर अली सैफी: गाजियाबाद की बदहाली की जिम्मेदारी कौन लेगा?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम के दावों के बावजूद महानगर की सड़कों पर जलभराव की समस्या ने शहरवासियों को परेशान कर रखा है। नगर आयुक्त द्वारा मुख्य नालों की सफाई का दावा किया गया था, लेकिन हालात इसके बिल्कुल उलट नजर आ रहे हैं। बारिश के साथ ही शहर के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए और आम जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पूर्व पार्षद मौ. जाकिर अली सैफी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को हर छोटे-बड़े काम का श्रेय तो चाहिए लेकिन असफलताओं की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। उन्होंने आरोप लगाया कि नाले-नालियों पर अतिक्रमण हटाने में भी निगम पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। सैफी ने कहा कि नगर निगम जनता से पूरा टैक्स वसूलता है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं देने में असफल है। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा – अब जबकि सारे दावे गलत साबित हो गए हैं, तो आखिर इस सफलता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

ट्रांस हिंडन एरिया में जिंदगी जैसे ठहर सी गई है

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से ट्रांस हिंडन इलाके कि ज्यादातर कॉलोनियां पानी पानी हो गई है। भारी बारिश और जल भराव से जिंदगी ठहर सी गई है स्कूल कॉलेज और दफ्तर जाते समय बारिश होने से परेशानी और बढ़ गई है ट्रांस हिंडन और साहिबाबाद की कॉलोनी की सोसाइटियों के बाहर जल भराव होने से लोग अपने घरों से बाहर तक नहीं निकल पा रहे हैं कई इलाकों में भारी जाम लग रहा यूपी गेट से मोहन नगर तक और नोएडा सेक्टर 62 चौराहा से वसुंधरा तक लंबा जाम लग रहा बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली गुल रही बिजली नहीं होने के कारण लोगों को पानी भी नसीब नहीं हो पाया।

इंदिरापुरम के शक्ति खंड-3, न्याय खंड-1, काला पत्थर रोड, वैशाली, वसुंधरा, खोड़ा समेत कई अन्य जगहों पर बारिश के बाद जलभराव हो गया। इससे सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को उठानी पड़ी।

नोएडा जाने वालों को हुई भारी परेशानी

ऑफिस वह अन्य कर्म से नोएडा जाने वालों को पिछले दो दिनों से भारी परेशानी हो रही है कनवानी पर भारी जल भराव के कारण गाड़ियां रेंग रेंग कर चलती रही कनवानी स्थित नगर निगम के एसटीपी प्लांट के बाहर भारी जल जमाव है यहां सड़क भी काफी खस्ता हाल हो चुकी है। अलावा काला पत्थर यूपी गेट चंद्र नगर आराधना बॉर्डर भोपुरा लोनी रोड मोहन नगर अर्थला वैशाली पुलिया पर भारी जल भराव होने के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। लोगों का कहना है कि वसुंधरा से नोएडा सेक्टर 63 जाने में अमूमन 20 से 25 मिनट का समय लगता है लेकिन पिछले दो दिनों से इस दूरी को कवर करने में एक से सवा घंटा तक लग रहा है।

33 साल के इस पाकिस्तानी क्रिकेटर ने लिया संन्यास, सोशल मीडिया पर लिखी भावुक पोस्ट

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के आगाज से पहले पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका लगा है पाकिस्तान के मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज आसिफ अली ने 33 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है यह ऐलान उन्होंने 1 सितंबर को सोशल मीडिया पर किया हालांकि, वह अब भी घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 2018 में डेब्यू किया था और अब तक 21 वनडे और 58 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले

वह अपनी पावर हिटिंग और फिनिशर की भूमिका के लिए जाने जाते थे उनका सबसे यादगार पल 2021 टी20 वर्ल्ड कप में आया, जब उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 12 गेंदों में 24 रन की जरूरत पर सिर्फ 7 गेंदों में 25 रन बनाकर चार छक्के जड़े और पाकिस्तान को जीत दिलाई

जगह-जगह जल भराव के लिए नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार जिम्मेदार है: बिजेंद्र यादव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव बिजेंद्र यादव ने गाजियाबाद में जगह-जगह जल भराव के लिए नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जब से नगर निगम का गठन हुआ है तभी से नगर निगम में भाजपा का शासन है। हर साल जल भराव की यही कहानी होती है। बरसात से पहले नालियों को साफ करने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जैसे ही बारिश शुरू होती है पूरे शहर में जल भराव हो जाता है। चाहे शहर की मलिन बस्तियां हो या पॉश कॉलोनी, ऐसी कोई भी जगह नहीं बचती है, जहां जलभराव नहीं होता है। इस साल पहले से ही मौसम विभाग की ओर से चेतावनी दी जा रही थी कि बारिश की मात्रा ज्यादा होगी। लेकिन नगर निगम की ओर से इसके लिए कोई तैयारी नहीं की गई।

बिजेंद्र यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार ने गाजियाबाद नगर निगम को पूरी तरह से खोखला और अकर्मण्य बना दिया है। पॉश कॉलोनी राज नगर और यहां रहने वाले नगर आयुक्त के कैंप ऑफिस के सामने घुटनों तक जल भराव हो जाता है। नगर निगम पॉश कॉलोनी में जल भराव की समस्या का समाधान नहीं कर पाया तो मलिन बस्तियों में क्या स्थिति होगी यह समझा जा सकता है। खुद पार्षद मानते हैं कि नगर निगम में बिना पैसे दिए कोई कार्य नहीं होता है। नालों को सफाई के लिए जो बड़ी-बड़ी मशीन खरीदी जाती है उसके बाद भी नाले साफ क्यों नहीं हो पाते हैं।

बिजेंद्र यादव ने कहा कि नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए आखिर इतने टैक्स देने के बाद भी जनता को सुविधा क्यों नहीं मिल पा रही है? हल्की बारिश में ही पूरा शहर जलमग्न हो जाता है। इसके लिए नगर निगम के चुने हुए जनप्रतिनिधि और अधिकारी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि महापौर को सामने आकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर शहर जलमग्न क्यों हो रहा है शहर की नालियां क्यों चौक है और नालियों को साफ सफाई करने के लिए जो मशीनें खरीदी गई है उनसे नालियां साफ क्यों नहीं हो रही है।

पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर, इन्हें बनाया जा सकता है कप्तान

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह घोषणा की कि उनके टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड ने इस निर्णय का कारण उनकी पूरी तरह से फिटनेस पर ध्यान देना बताया, ताकि वह आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार हो सकें। बोर्ड की आधिकारिक घोषणा में कहा गया, 'कमिंस को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन में शामिल नहीं लिया जाएगा। वह अपनी रिहैबिलिटेशन योजना पर ध्यान देंगे और गेंदबाजी में वापसी का समय एशेज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा।

कमिंस का टीम में न होना ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका हो सकता है। हाल ही में किए गए स्कैन में उनकी पीठ के निचले हिस्सों में हड्डियों में तनाव पाया गया है। हालांकि, इसे स्ट्रेस फ्रैक्चर नहीं बताया गया है। यह चोट चिंताजनक है क्योंकि उनका वनडे और टी20 में शारीरिक भार पहले ही काफी बढ़ चुका था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही उन्हें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से आराम दिया था। लेकिन पिछले टेस्ट दौरे के बाद उनकी पीठ में दर्द बना रहा और अब उसकी गंभीरता सामने आई है। एशेज सीरीज की शुरूआत 21 नवंबर, 2025 को पर्थ से होनी है। चयन समिति प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि बोर्ड कमिंस की तैयारी को लेकर आशावादी हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि वह पहले टेस्ट तक वापसी कर पाएंगे या नहीं।

कप्तानी और गेंदबाजी की जिम्मेदारी किसके कंधों पर?

कमिंस की गैरमौजूदगी में भारत में सीमित ओवरों की कप्तानी मिचेल मार्श के हाथों में रहने की संभावना है। वहीं, तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व बेन ड्वारशुइस, जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी होगी कि वे भारत और न्यूजीलैंड जैसे मजबूत विरोधियों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की लय बनाए रखें। मिचेल स्टार्क ने मंगलवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिया, लेकिन वह भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेल सकते हैं।

कमिंस की अनुपस्थिति भारत के लिए बड़ा फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते दिखेंगे। एक प्रमुख तेज गेंदबाज न होने से भारतीय बल्लेबाजों के मनोबल को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया कमिंस को किसी भी तरह का जोखिम नहीं देना चाहता और यही वजह है कि उन्हें भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर रखा गया है।

सुनील गावस्कर की लताड़ पर ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का पलटवार

नई दिल्ली। एशिया कप-2025 के लिए जब टीम इंडिया का एलान हुआ था तब भारत के कई पूर्व क्रिकेटरों के साथ-साथ कई विदेशी दिग्गजों ने इस पर सवाल उठाए थे। विदेशी खिलाड़ियों की इस बयानबाजी से टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए थे और उन्होंने इन विदेशियों को जमकर सुनाई थी। गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैड हैडिन का जवाब आया है।

गावस्कर ने कहा था कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय टीम के मसलों से दूर रहना चाहिए और अपने देश की क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। हैडिन ने इस बात का जवाब दिया है। ये बहस श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह न मिलने के बाद शुरू हुई थी। हैडिन ने विलो टॉक नाम के पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट के मसलों पर बात करना उनका काम है। हैडिन ने कहा कि वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा कि वह पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। हैडिन पंजाब के बल्लेबाजी कोच हैं। हैडिन ने कहा, हमारा काम विश्व क्रिकेट में जो हो रहा है उस पर अपना विचार रखना है। हम यही करते हैं। मैंने आईपीएल में उन्हें (अय्यर) को कोच किया है और मैंने जो कहा उस पर मैं कायम हूं।

मैं इस बात से हैरान था कि वह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने लोनी की पीड़िता के परिजनों से मुलाकात कर दिया मदद का आश्वासन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने मंगलवार को पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ लोनी जाकर बलात्कार पीड़िता युवती के परिजनों से मुलाकात की। बलात्कार की घटना के बाद समय से उचित कार्रवाई नहीं होने से दुखी होकर युवती ने आत्महत्या कर ली थी। इस जघन्य कांड को संज्ञान में लेते हुए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को पीड़िता के परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद करने के निर्देश दिए थे। पार्टी अध्यक्ष के निर्देश के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारी और कार्यकताओं के साथ दलित समाज की युवती के परिजनों से मुलाकात की। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने बताया कि युवती के साथ जघन्य घटना हुई लेकिन उससे भी दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इस घटना के तुरंत बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई बल्कि पीड़िता को ही मानसिक और मनोवैज्ञानिक तरीके से प्रताड़ित किया गया। पीड़िता को करीब 12 घंटे तक मेडिकल के लिए इंतजार कराया गया। इससे वह इतना दुखी हो गई कि उसने आत्महत्या जैसा कड़ा कदम उठाया। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष ने बाग रानप जाकर पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पुलिस कमिश्नर से कार्रवाई के बाबत जानकारी हासिल की। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने बताया कि इस दुख की घड़ी में पूरी पार्टी पीड़िता के परिजनों के साथ खड़ी है। युवती को न्याय दिलाने के लिए जो भी संभव होगा पार्टी की ओर से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने तीन आरोपियों को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया है लेकिन परिजनों को अभी तक कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई है। यूं तो भाजपा के सांसद और विधायक अन्य घटनाओं में मौके पर जाकर जानकारी हासिल करते हैं लेकिन पीड़िता के परिजनों से मुलाकात करने के लिए उनके पास टाइम नहीं है। विश्वनाथ पाल ने बताया कि इस घटना ने भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर कर दिया है भाजपा शासन काल में दलितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार और अपराध हो रहे हैं।

इस मौके पर मेरठ मंडल के सभी प्रभारी जिला अध्यक्ष महानगर अध्यक्ष और जिला एवं महानगर कमेटी के सभी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे

डोनाल्ड ट्रंप, पीटर नवारो और कांग्रेस नेता उदित राज का फुका पुतला

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि टेरिफ वॉर के बीच अमेरिका का ब्राह्मणों का निशाना बनाना इस बात का संकेत है कि जब अमेरिका 50 प्रतिशत टेरिफ लगाकर भी भारत को नहीं झुका पाया तो अब वह जात-पात का जहर फैलाकर भारत को अस्थिर करना चाहता है, मगर वह यह बात भूल गया है कि हम सब भारतवासी एक हैं और अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता है। यही अमेरिका के हित में होगा क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके चमचे पीटर नवारो कितने भी प्रयास क्यों ना कर लें भारत की एकता व अखंडता कमजोर पडने वाली नहीं है। भारत ना कभी झुका है और ना कभी झुकेगा। ब्राह्मण समाज भारत को इतना मजबूत कर देगा कि खुद अमेरिका, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके व्यापार सलाहकार पीटर नवारो को गिडगिडाना पडेगा और भारत व ब्राह्मणो से मांफी मांगनी पडेगी। इस अवसर पर वी के अग्रवाल गौरव बंसल आर सी शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, विनीता पाल चंदन सिंह, प्रदीप प्रदीप गुप्ता, बी डी गर्ग ,राहुल शर्मा,पवन गौतम देवेंद्र शर्मा,तेज पाल चौधरी नरेंद्र मेहता मिलन मंडल संदीप त्यागी,गौरव अग्रवाल जितेंद्र भटनागर आदि लोग मौजूद थे।

यूएई के कप्तान ने तोड़ा रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड, टी20 इंटरनेशनल में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान रोहित शर्मा का एक बड़ा टी20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड टूट गया है उनके नाम इस फॉर्मेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड था जिसे यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने तोड़ दिया है रोहित के नाम टी20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 105 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था।

कौन हैं बतौर कप्तान टॉप-6 सिक्स हिटर ?

1 मुहम्मद वसीम (यूएई) – 110 छक्के
2 रोहित शर्मा (भारत) – 105 छक्के
3 ऑएन मॉर्गन (इंग्लैंड) – 86 छक्के
4 एरॉन फिंच (ऑस्ट्रेलिया) – 82 छक्के
5 कडोवाकी फ्लेमिंग (जापान) – 79 छक्के
6 जॉस बटलर (इंग्लैंड) – 69 छक्के

लेकिन, अब वसीम ने कल खेले गए अफगानिस्तान के खिलाफ एक टी20 मैच में बतौर कप्तान 110 छक्के जड़ने का रिकॉर्ड बना लिया उन्होंने अफगानी टीम के खिलाफ 6 छक्के लगाकर यह मुकाम हासिल किया मुहम्मद वसीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ 37 गेंदों में 67 रन की पारी खेली लेकिन बावजूद उसके टीम को 38 रन से हार झेलनी पड़ी।

वसीम की कप्तानी पारी टीम के नहीं आई काम

यूएई में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज के तीसरे मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हराया यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया अफगान टीम ने बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 188 लगाए टीम के लिए सेदिकुल्लाह अटल (54 रन) और इब्राहिम जादरान (63 रन) की अर्धशतकीय पारी खेली लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम सिर्फ 150 रन पर ही सिमट गई टीम की ओर से कप्तान मुहम्मद वसीम ने 67 रन और राहुल चोपड़ा ने नाबाद 52 रन बनाए अफनिस्तान के लिए राशिद खान और शरफुद्दीन अशरफ ने 3-3 विकेट झटके।

टी20 इंटरनेशनल में अब-भी आगे हैं रोहित शर्मा

क्रिकेट की दुनिया में हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा इस समय टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं उनके बाद इस लिस्ट में मुहम्मद वसीम का नाम आता है जिन्होंने 80 मैचों में 176 छक्के मारे हैं रोहित ने इस फॉर्मेट में 159 मैचों में सर्वाधिक 205 छक्के जड़े हैं उनके टी20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड की बात करें तो रोहित ने 159 मैचों में 3205 की एवरेज से 4232 रन बनाए हैं ।

कौन हैं टी20 इंटरनेशनल के टॉप- 6 सिक्स हिटर ?

1 रोहित शर्मा (भारत) – 205 छक्के
2 मुहम्मद वसीम (यूएई) – 176 छक्के
3 मार्टिन गप्टिल (न्यूजीलैंड) – 173 छक्के
4 जॉस बटलर (इंग्लैंड) – 160 छक्के
5 निकोलस पूरन (वेस्टइंडीज) – 149 छक्के
6 ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) – 148 छक्के

नाओमी ओसाका ने एकबार फिर कोको गॉफ को हराया वेनस-फर्नांडीज जोड़ी यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में

वाशिंगटन। यूएस ओपन के चौथे दौर में जापान की नाओमी ओसाका ने तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी कोको गॉफ को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। आर्थर ऐश स्टेडियम में ओसाका ने पहले ही गेम में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई और पूरे मैच में सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखा। गॉफ की 33 अनफोर्स्ड एरर्स ने भी बड़ा अंतर बनाया। ओसाका एकबार फिर गॉफी को हराने में कामयाब रहीं।

ओसाका के लिए यह 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब के बाद किसी ग्रैंड स्लैम में सबसे लंबा रन है। जीत के बाद उन्होंने कोर्ट पर भावनात्मक लहजे में यहां लौटने को स्पेशल कहा और अपने गेम को मजेदार बताते हुए आत्मविश्वास जताया। क्वार्टर फाइनल में ओसाका का मुकाबला चेक गणराज्य की 11वीं वरीय करोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने यूक्रेन की मार्टा कोस्त्यूक को 6-3, 6-7 (0-7), 6-3 से हराया। मुचोवा फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरे सेमीफाइनल की तलाश में हैं, ऐसे में यह मुकाबला कड़ा रहने वाला है।

पुरुषों में शीर्ष वरीय यानिक सिनर ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 6-1, 6-1 से हराकर तेजी से अंतिम-8 में प्रवेश किया। वहीं महिला ड्रा में पोलैंड की इगा स्वियातेक ने 13वीं वरीय एकातेरिना अलेक्सांद्रोवा को 6-3, 6-1 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। इन दोनों की एकतरफा जीतों ने टूनार्मेंट में उनके दावेदारी को और प्रबल किया है। वहीं, पोलैंड की दूसरी वरीय इगा स्वियातेक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रूसी 13वीं वरीय एकातेरिना अलेक्सांद्रोवा को महज एक घंटे में 6-3, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

इसके साथ ही उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार जीत का आंकड़ा 11 मैच तक पहुंच गया है। स्वियातेक दूसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही हैं। अगला मुकाबला उनके लिए खास हो सकता है क्योंकि वे अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा का सामना कर सकती हैं। यह वही खिलाड़ी हैं जिनके खिलाफ स्वियातेक ने विंबलडन फाइनल 6-0, 6-0 से जीता था। अनिसिमोवा का मैच सोमवार को ब्राजील की 18वीं वरीय बीट्रिज हदाद मायया से होगा।

महिला युगल में 45 वर्षीय वेनस विलियम्स ने कनाडा की लेलाह फर्नांडीज के साथ मिलकर लगभग एक दशक बाद किसी ग्रैंड स्लैम डबल्स क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस जोड़ी ने रूस की एकातेरिना अलेक्सांद्रोवा और चीन की झांग शुआई को 6-3, 6-4 से हराया। यह वेनस का 2016 के बाद पहला डबल्स ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है।

वीनस ने खुलासा किया कि सेरेना विलियम्स दूर से कोचिंग कर रही हैं और मैच से पहले फोन पर पेप टॉक दिया। क्वार्टर फाइनल में वीनस-फर्नांडीज की टक्कर शीर्ष वरीय कतेरिना सिनीआकोवा (चेक गणराज्य) और टेलर टाउनसेंड (अमेरिका) की जोड़ी से हो सकती है। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीय ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर ने स्विट्जरलैंड के क्वालिफायर लेआंड्रो रीडी को 6-3, 6-2, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। डि मिनॉर ने 435वीं रैंकिंग वाले खिलाड़ी को मात देने के लिए आठ ब्रेक हासिल किए। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है, लेकिन वे अब तक कभी सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाए हैं। अगले दौर में उनका सामना कनाडा के 25वीं वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से होगा, जिन्होंने रूस के आंद्रे रुब्लेव को सीधे सेटों में 7-5, 6-3, 6-4 से हराया।

अलियासिम की शानदार वापसी

25 वर्षीय ऑगर-अलियासिम के लिए यह बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि वह तीन साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। यह उनकी रुब्लेव के खिलाफ नौ मुकाबलों में सिर्फ दूसरी जीत है। अलियासिम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2021 यूएस ओपन में आया था, जब वे सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। उन्होंने कहा, 'यह एहसास पहली बार से भी बेहतर है। 21 साल की उम्र में जब मैं ऊपर की ओर बढ़ रहा था, तब यह आसान था। लेकिन चोटों, आत्मविश्वास की कमी और संघर्ष के बाद फिर से क्वार्टर फाइनल में लौटना मेरे लिए बेहद खास है।'

खोड़ा में पानी की मांग को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

26 अक्टूबर को निकाला जाएगा मार्च

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा कॉलोनी में पानी की मांग को लेकर आंदोलन चल रही खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन की ओर से 26 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रधानमंत्री कार्यालय तक मार्च को लेकर आज सदस्यों ने प्रधानमंत्री कार्यालय को एक ज्ञापन दिया इससे पहले सदस्यों ने एक बैठक का आयोजन किया जिसमें 26 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय तक जुलूस निकालने की तैयारी की चर्चा की गई। खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी ने बताया कि खोड़ा कॉलोनी के लोगों का अब जनप्रतिनिधियों पर कोई विश्वास नहीं रह गया है। खोड़ा में पानी की मांग एवं खोड़ा को ग्रेटर गाजियाबाद में शामिल करने के विरोध में विशाल रैली को लेकर आज प्रधानमंत्री कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्ष दीपक जोशी ने बताया कि खोड़ा में पानी की विकराल समस्या को देखते हुए जनता अब जनप्रतिनिधियों के वादे से ऊब चुकी है। मजबूरन अब जनता अब प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ कुच करेगी। केआर ए संरक्षक सरदार सिंह यादव ने कहा कि खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन को पूरी कॉलोनी का समर्थन मिल चुका है। जनप्रतिनिधियों की आपसी टकराव के कारण खोड़ा का नुकसान हो रहा है। केआए उपाध्यक्ष अमरचंद ठेकेदार ने कहा कि संगठन पिछले 8 वर्षों से इस लड़ाई को हर मंच पर लड़ रहा है। लेकिन जनप्रतिनिधियो के कानों में जू नहीं रेंगती। अबकी बार आंदोलन ऐतिहासिक होने वाला है। ज्ञापन देने में वरिष्ठ समाजसेवी सदानंद ठाकुर, सचिव उमेश सिंह सतपाल, बुद्धि बल्लभ, ललित रावत, विकास जाटव, रवि यादव आदि उपस्थित रहे।

इंदिरापुरम और कौशांबी थाना क्षेत्र में थानों से होगी सीसीटीवी मॉनिटरिंग : एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस ने नई पहल की है। थाना इंदिरापुरम और थाना कौशांबी क्षेत्र के सभी प्रमुख स्थानों जैसे बड़े चौराहों, मॉल्स और बाजार क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फीड अब सीधे थानों से मॉनिटर की जा रही है। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में अब तक 50 महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस थाने से ले लिया गया है। थाने से इनकी 24 घंटे निरंतर निगरानी की जा रही है। इसी तरह कौशांबी क्षेत्र के भी प्रमुख स्थानों को कैमरों की मॉनिटरिंग व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग अपराध नियंत्रण में एक प्रभावी कदम है। इससे न केवल अपराधियों की पहचान करने में मदद मिलेगी बल्कि उनकी गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा। एसीपी श्रीवास्तव ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में इस व्यवस्था से अपराधों में निश्चित रूप से कमी आएगी और जनता को और सुरक्षित माहौल मिलेगा।

गाजियाबाद से बाहर फेंके गए शातिर खोड़ा पुलिस ने किया जिला बदर

साहिबाबाद, करंट क्राइम। थाना खोड़ा पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए मंगलवार को दो अभियुक्तों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गुण्डा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया है।

अभियुक्तों के नाम विशाल राठी पुत्र योगेश राठी, निवासी शिव विहार, खोड़ा कॉलोनी और बादल राठी उर्फ संदीप राठी पुत्र मनोज कुमार राठी, निवासी वंदना विहार, खोड़ा कॉलोनी बताए गए हैं। आदेश का अनुपालन कराते हुए पुलिस ने ढोल-नगाड़ों की मुनादी कराकर उन्हें कमिश्नरेट गाजियाबाद की सीमा से बाहर कर दिया।

अपराधिक इतिहास

- विशाल राठी के खिलाफ थाना खोड़ा में गाली–गलौज और मारपीट से जुड़े 2 मुकदमे दर्ज हैं।
- बादल राठी के खिलाफ भी इसी तरह के 2 मुकदमे दर्ज हैं।
- अन्य आपराधिक मामलों की जानकारी की जांच की जा रही है।
- पुलिस ने अपील की है कि यदि दोनों अभियुक्त छह माह की अवधि में अपने घर लौटते हैं या जिले में दिखाई देते हैं तो तत्काल थाना खोड़ा पुलिस को सूचित करें।

अवैध निर्माण पर जीडीए का सख्त रुख

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शहर में अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया है। हाल ही में, जीडीए के प्रवर्तन जोन-4 ने प्रताप विहार और विवेकानंद नगर में दो अवैध निमार्णों को सील कर दिया। यह कार्रवाई जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निर्देशों के बाद की गई है। भूखंड संख्या एल-82, सेक्टर-12 में, पिंकी शर्मा द्वारा पूर्व-निर्मित द्वितीय तल पर तीसरे तल का निर्माण किया जा रहा था। इस निर्माण के लिए प्राधिकरण से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। भवन संख्या 527 में, दिनेश नागर ने प्राधिकरण द्वारा आवंटित भवन को तोड़कर नया आवासीय निर्माण शुरू कर दिया था, जिसमें एक कमरा, शौचालय और सीढ़ियां शामिल थीं।

कार्रवाई का कारण : जीडीए ने दोनों निर्माणकर्ताओं को कारण बताओ और कार्य रोको नोटिस जारी किए थे। दिनेश नागर को एक अनुस्मारक पत्र भी भेजा गया था। हालांकि, किसी भी निर्माणकर्ता ने सुनवाई में भाग नहीं लिया और न ही कार्य को रोका। इसके बाद, प्रभावी रूप से काम रोकने के लिए जीडीए ने निर्माणों को सील कर दिया।

भविष्य की योजना : प्रवर्तन जोन-4 के प्रभारी ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के किए गए किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। प्राधिकरण ने यह भी घोषणा की है कि आगामी महीनों में ध्वस्तीकरण और सीलिंग का अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में सहायक अभियंताओं, अवर अभियंताओं, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते का पूरा स्टाफ मौजूद था।

राष्ट्र धर्म की सुरक्षा के लिए स्वदेशी स्वीकार विदेशी बहिष्कार : अशोक भारतीय

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अमेरिका के 50% टैरिफ को ठेंगा दिखाने के लिए अमेरिका के लीडरशिप वाले ग्लोबल आर्डर का विकल्प रुस चीन सहित अन्य देशों को साथ लेकर चलने के लिए मैं पंडित अशोक भारतीय उपाध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय व्यापार मंडल देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। शुभकामना देता हूं तथा विनाशकाले विपरीत बुद्धि वाले बड़बोले ट्रंप को उसकी औकात बताने के लिए भारत की जनता का देश के शीर्ष नेतृत्व का तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस शुभ कार्य को करने के लिए सभी को बधाई देता हूं क्योंकि विश्व में जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को उसकी औकात बताई तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए चीन रूस व जापान का साथ लेकर पाकिस्तान की गोद में बैठने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दिन में तारे दिखाए।

इंदिरापुरम पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी पकड़ा

नेकलेस, दो कान की इयररिंग और 3 हजार रुपये नकद बरामद

साहिबाबाद, करंट क्राइम। थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया पीली धातु का नेकलेस, दो कान की इयररिंग और 3,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और अन्य आपराधिक घटनाओं में उसकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

पुलिस की सतर्कता से चोरी का सामान बरामद : थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम द्वारा की गई कार्रवाई में चोरी की वारदात से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के पास से सोने जैसे धातु का नेकलेस, दो इयररिंग और नकद 3,000 रुपये जब्त किए। अधिकारियों के मुताबिक आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी खंगाली जा रही है।

औद्योगिक क्षेत्र साइट 4 में नाले पर अतिक्रमण के खिलाफ पार्षद के लोगों ने किया प्रदर्शन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट 4 में बृजविहार से आ रहे नाले पर एक कंपनी द्वारा बिना अनुमति के कंपनी की ओर से नाले पर अतिक्रमण किया जा रहा है। क्षेत्रीय पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं कि नाले पर कोई नया काम नहीं किया जाना चाहिए।

स्थानीय पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय ने आरोप लगाया है कि एक फैक्ट्री द्वारा नाले पर बिना अनुमति के अतिक्रमण किया जा रहा है। इस मुद्दे पर पार्षद ने लोगों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय का कहना है कि नाले पर अतिक्रमण से क्षेत्र में जलभराव और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

फैक्ट्री द्वारा नाले पर कब्जा करने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री द्वारा नाले को ढक दिया गया है और वहां पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। पार्षद ने प्रशासन से मांग की है कि फैक्ट्री के खिलाफ कार्रवाई की जाए और नाले को मुक्त कराया जाए। नाले के किनारे अवैध कब्जे हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया था। इन मामलों से स्पष्ट होता है कि अवैध कब्जे के मुद्दे पर लोगों में आक्रोश है और वे इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इस मौके पर पार्षद जोगिंदर उपाध्याय, पूर्व पार्षद पूनम त्यागी, बॉबी त्यागी, राहुल परिहार आदि लोग मौजूद रहे।

मंत्री सुनील शर्मा के प्रयासों से कंपोजिट विद्यालय पप्पू कॉलोनी में होगी नई सुविधाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राज्य के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने बच्चों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त, नगर निगम गाजियाबाद को निर्देश दिए हैं कि साहिबाबाद स्थित कंपोजिट विद्यालय, पप्पू कॉलोनी की सुविधाओं में सुधार किया जाए। मंत्री सुनील शर्मा ने पत्र के माध्यम से स्पष्ट कहा है कि विद्यालय में विद्यार्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिसे तुरंत दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने नगर निगम को तीन प्रमुख कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए–

1. पांच जर्जर कक्षाओं का ध्वस्तीकरण कर नवनिर्माण।

2. विद्यालय में नए शौचालयों का निर्माण।

3. बाउंड्री वॉल की ऊँचाई बढ़ाना।

मंत्री ने कहा कि छात्रों के हित सर्वोपरि हैं, इसलिए इन कार्यों में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके इस संवेदनशील कदम की स्थानीय अभिभावक और क्षेत्रवासी सराहना कर रहे हैं।

योजनाओं के आधार पर हो रहा है विद्यालयों का निर्माण : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने बताया कि जनपद में विद्यालयों का निर्माण योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय, ग्राम तलहैटा (भोजपुर)

- निर्माण संस्था : उ&ऊ यूनिट 31
- क्षेत्रफल : 20,820 वर्गमीटर
- लागत : 2427.82 लाख
- कक्षाएँ : प्री–प्राइमरी से कक्षा 12 तक (1500 छात्र–छात्राएँ लाभान्वित)
- कार्य प्रारंभ : 07 जुलाई 2025, प्रस्तावित पूर्णता : 06 जून 2027
- वर्तमान स्थिति : वृक्ष कटाई पूर्ण, चारदीवारी निर्माण व ले–आउट कार्य जारी।

ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विकसित विद्यालय

- अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय मकनपुर कालोनी व अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय प्रगति विहार, लोनी — नगर पालिका खोडा के सहयोग से 16 करोड़ की लागत से तैयार किए गए।
- अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय मधुबन बापूधाम एवं अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय नूरनगर सिहानी — नगर निगम के सहयोग से 3 करोड़ की लागत से निर्मित।
- सभी विद्यालयों में वर्तमान में शिक्षण कार्य संचालित है।

अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय, प्रेम विहार (लोनी)

- लागत : 113.8 लाख
- संस्था : यूपी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉपोरेशन
- स्थिति : प्रथम किस्त (68.26 लाख) मार्च 2025 में देर से प्राप्त होने के कारण आहरण शेष।

अन्य प्रस्ताव

- ग्राम डिडवारी (चितौड़ा), ब्लॉक रजापुर में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय हेतु भूमि चयन कर प्रस्ताव राज्य परियोजना कार्यालय भेजा गया।
- प्रेम विहार, लोनी में समाज कल्याण निर्माण निगम द्वारा 113.82 लाख की लागत से एक और अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय प्रस्तावित।

समग्र शिक्षा के तहत सत्र 2025-26 में

- 31 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण,
- 1 उच्च प्राथमिक विद्यालय का पुनर्निर्माण,
- 5 दिव्यांग–मैत्रिक शौचालयों का निर्माण,
- ध्वस्त ब्लॉक संसाधन केन्द्र मुरादनगर का नवनिर्माण स्वीकृत।

राहुल गांधी के खिलाफ महिला मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा व राज्यसभा सांसद गीता शाक्य के दिशा-निर्देशन में, महिला मोर्चा ने राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा वर्षा कौशिक और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कार्यक्रम संयोजक अंजना त्यागी ने किया। विरोध मार्च वाल्मीकि पार्क, नवयुग मार्केट से शुरू होकर कांग्रेस महानगर कार्यालय तक पहुंचा। इस विरोध प्रदर्शन में कई प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें क्षेत्रीय कादंबरी कौशिक, प्रमोद देवी कश्यप, महानगर उपाध्यक्ष रनिता और रिचा भदोरिया, शिरोमणि त्यागी, वसुंधरा मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष निशि त्यागी और उनकी टीम (गीता त्यागी, सुधा शुक्ला, सीता वर्मा, मोनिका, रिचा शर्मा, पूनम, शशि, मंजु श्रीवास्तव) शामिल थीं।

इसके अलावा, युवा मोर्चा से राम त्यागी अपनी टीम के साथ, महानगर कार्यकारिणी सदस्य विरेंद्र खंडेरे अपने साथियों के साथ, और अशोक पांडे सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मोहन नगर के आनंद इंडस्ट्रियल एरिया स्थित आईटीएस कॉलेज के पास दीपक राघव की एड विजन एजेंसी के कार्यालय का उद्घाटन करते शहर विधायक संजीव शर्मा।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

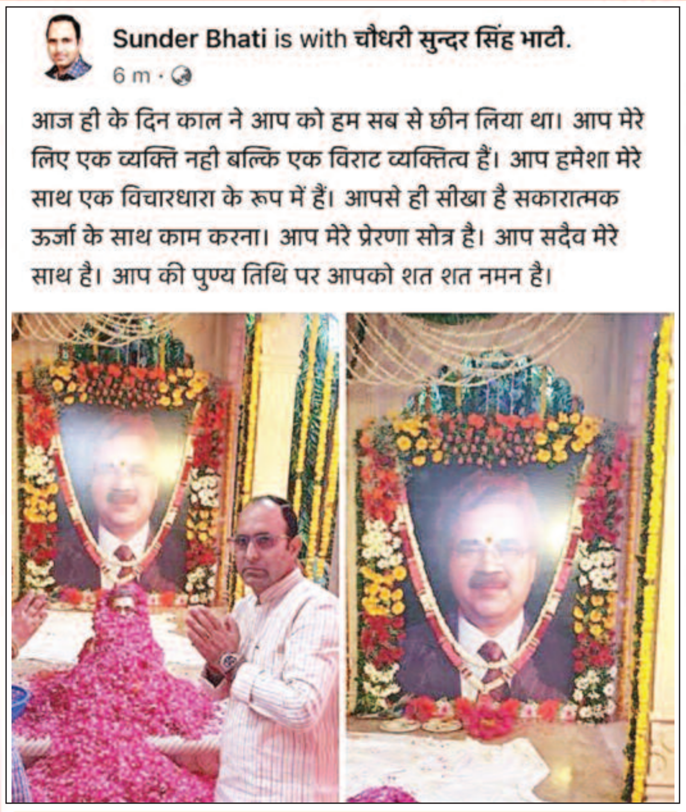

Sunder Bhati is with चौधरी सुन्दर सिंह भाटी.
6 m ·

आज ही के दिन काल ने आप को हम सब से छीन लिया था। आप मेरे लिए एक व्यक्ति नही बल्कि एक विराट व्यक्तित्व हैं। आप हमेशा मेरे साथ एक विचारधारा के रूप में हैं। आपसे ही सीखा है सकारात्मक ऊर्जा के साथ काम करना। आप मेरे प्रेरणा सोत्र है। आप सदैव मेरे साथ है। आप की पुण्य तिथि पर आपको शत शत नमन है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता चौधरी सुंदर सिंह भाटी ने अपने श्रद्धेय को पुण्यतिथि पर नमन करते हुए कहा कि 'आप मेरे लिए केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विराट व्यक्तित्व थे। आपकी सकारात्मक सोच और ऊर्जा मेरे जीवन की प्रेरणा हैं। आप हमेशा मेरे साथ विचारधारा के रूप में रहेंगे।' भावनाओं से भरी उनकी ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 900 पहुंची

3000 घायल, बचाव अभियान जारी

जलालाबाद । अफगानिस्तान के पूर्वी इलाके में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 900 हो गया है। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में अब तक करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं, और राहत टीमें मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं।

यह विनाशकारी भूकंप रविवार देर रात आया था और इसकी तीव्रता 6.0 मापी गई थी। यह भूकंप एक पहाड़ी क्षेत्र में आया था, जिससे कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए और लोग घंटों तक मलबे के नीचे दबे रहे। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए यह आंकड़े अभी और भी बदल सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ जिससे सड़कें बंद हो गई थीं। हालांकि अब कई सड़कों को फिर से खोल दिया गया है और बाकी रास्तों को भी जल्द खोलने की कोशिश की जा रही है, ताकि उन इलाकों तक पहुंचा जा सके जहां जाना अब भी मुश्किल है।

टैरिफ तनाव के बीच अलास्का पहुंची भारतीय सेना

अमेरिकी फौज के साथ करेगी संयुक्त युद्ध अभ्यास

भारतीय सेना का एक दल सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास 2025 में भाग लेने के लिए अमेरिका के अलास्का पहुंच गया है। यहां वह भारत-अमेरिका के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्ययुद्ध अभ्यास 2025में भाग लेगा। यह अभ्यास एक सितंबर यानी मंगलवार से 14 सितंबर 2025 तक चलेगा। विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि युद्ध अभ्यासभारत और अमेरिका के बीच हर साल होने वाला एक बड़ा सैन्य अभ्यास है

अलास्का । इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच साझा प्रशिक्षण, तालमेल और युद्ध कौशल को बढ़ाना है। इसका यह 21वां संस्करण है और इस बार यह अमेरिका के बफीर्ले और पहाड़ी इलाके अलास्का में हो रहा है। भारतीय सेना के कौन-कौन से जवान शामिल हैं बात अगर इस अभ्यास में शामिल होने वाले जवानों की करें तो इस बार भारत की तरफ से मद्रास रेजिमेंट के सैनिक इस अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं अमेरिका की तरफ से 11वीं एयरबोर्न डिविजन के १२३ बटालियन, 5इँ इन्फेंट्री रेजिमेंट (बॉबकैट्स) के सैनिक अभ्यास में भाग ले रहे हैं। दोनों दलों के जवान दो हफ्ते तक साथ मिलकर कई तरह के युद्ध अभ्यास करेंगे। कौन-कौन से होंगे अभ्यास, जानिए वहीं अब बात अगर इस दौरान सेनाओं द्वारा किए जाने वाले अभ्यास की करें तो दोनों सेनाएं अभ्यास में हेलिबोर्न ऑपरेशन शामिल होगा, जिसमें हेलीकॉप्टर के जरिए सैनिकों को दुश्मन के इलाके में पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा, पहाड़ी इलाकों में युद्ध तकनीक की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। सैनिक मानवरहित विमान प्रणाली (यूएएस) और उसके मुकाबले की तकनीक सीखेंगे। जख्मी सैनिकों की मदद करने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की ट्रेनिंग भी इस अभ्यास का हिस्सा होगी। इसके साथ ही रॉडक्लाइंबिंग और चट्टानी इलाकों में लड़ाई की रणनीति पर भी काम किया जाएगा। आर्टिलरी, एविएशन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर का संयुक्त इस्तेमाल करने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही, लाइव-फायर ड्रिल में सैनिक असली गोलियों से अभ्यास करेंगे। अंत में, संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में काम करने के लिए भी तैयारियां की जाएंगी। दोनों सेनाओं के द्वारा किए जाने वाले इस अभ्यास की अहमियत की करें तो इस अभ्यास के दौरान भारत और अमेरिका के सैनिक एक-दूसरे से रणनीति, तकनीक और अनुभव साझा करेंगे।

यूएस : रॉबर्ट कैनेडी हर नागरिक की जान खतरे में डाल रहे

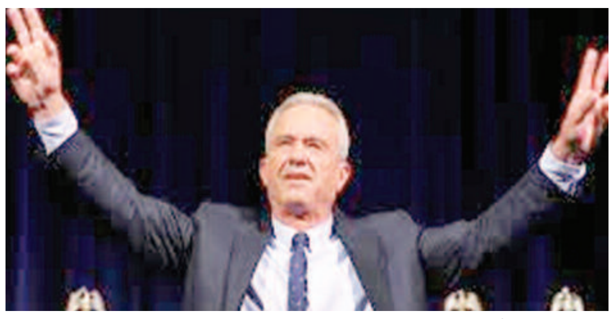

वॉशिंगटन । शीर्ष अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सीडीसी के नौ पूर्व शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को ट्रंप प्रशासन पर एजेंसी को कमजोर करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि टीकाकरण पर संदेह करने वाले रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर हर अमेरिकी की सेहत को खतरे में डाल रहे हैं। अमेरिकी मीडिया में प्रकाशित एक लेख में अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी पर हमला ऐसे समय बोला गया है, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक सुसान मोनारेज को पद से बर्खास्त कर दिया था।

निदेशक के बर्खास्तगी से बढ़ा विवाद सुसान मोनारेज को पिछले हफ्ते रॉबर्ट कैनेडी जूनियर के साथ टकराव और कथित तौर पर उनके टीकाकरण नीति का समर्थन करने से इनकार करने के बाद पद से बर्खास्त कर दिया गया था। सुसान मोनारेज की बर्खास्तगी के बाद चार अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भी एजेंसी से इस्तीफा दे दिया। इससे एजेंसी का कामकाज बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। गौरतलब है कि रॉबर्ट कैनेडी टीकाकरण के समर्थक नहीं हैं। लेख में लिखा गया कि कैनेडी हर अमेरिकी नागरिक के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहे हैं। सीडीसी, अमेरिकी राष्ट्रपतियों के अधीन काम करने वाली एजेंसी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लिखा कि कैनेडी ने सीडीसी और देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ जो किया है, वह पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने बताया कि कैनेडी ने हजारों संघीय स्वास्थ्य कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

सूडान में भूस्खलन 1000 लोगों के मारे जाने की आशंका

दारफुर का पूरा गांव तबाह

सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह-सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने सोमवार को बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ

सूडान । रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है।

गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत

सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है। शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार राहत और बचाव कार्य चलाने में मदद और मलबे के नीचे दबे शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से गुहार लगाई गई है। स्थानीय मीडिया द्वारा एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि पहाड़ों के बीच पूरा इलाका समतल हो गया है और लोग वहां मलबे में तलाश कर रहे हैं।

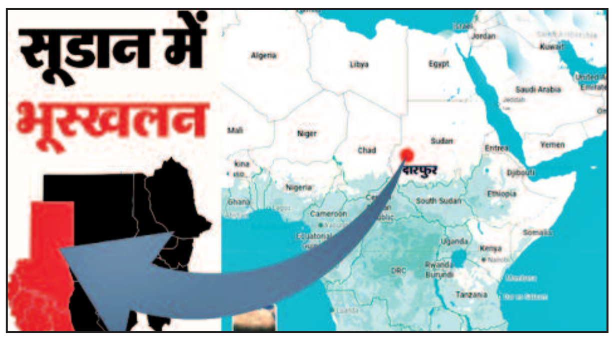

2023 से सेना और आरएसएफ के बीच जारी है लड़ाई यह आपदा ऐसे समय में आई है, जब सूडान पहले से ही भयानक गृहयुद्ध से जूझ रहा है। अप्रैल 2023 से देश की सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच राजधानी खार्तूम समेत कई जगहों पर लड़ाई छिड़ी हुई है। सेना और आरएसएफ के बीच लड़ाई के कारण मर्राह पर्वत समेत दारफुर क्षेत्र का अधिकांश भाग संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों की पहुंच से बाहर है। हजारों विस्थापित परिवारों ने मर्राह पहाड़ियों में ली है शरण मर्राह पर्वत क्षेत्र में स्थित सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी, दारफुर और कोर्डोफन में सक्रिय कई विद्रोही संगठनों में से एक है। यह मौजूदा गृहयुद्ध में किसी भी पक्ष के साथ नहीं है। मर्राह पहाड़ियां 160 किलोमीटर लंबी ज्वालामुखीय पर्वत श्रृंखला हैं, जो अल-फशर के दक्षिण-पश्चिम में फैली हुई हैं। यह क्षेत्र राजधानी खार्तूम से करीब 900 किलोमीटर दूर है और संघर्ष से विस्थापित हजारों परिवार यहां शरण ले चुके हैं।

यूएस : ट्रंप की हत्या की कोशिश के आरोपी पर चलेगा मुकदमा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमे की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आरोपी रयान राउथ मंगलवार को मुकदमे से पूर्व सुनवाई के दौरान अपनी पैरवी खुद करेगा। रयान पर पिछले साल फ्लोरिडा में ट्रंप की हत्या की कोशिश करने का आरोप है

वॉशिंगटन । अगर किसी वजह से कोई देरी नहीं हुई तो सोमवार को फोर्ट पियर्स की संघीय अदालत में इस मामले के लिए जूरी के चयन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जुलाई में अमेरिकी जिला जज एली कैनन ने राउथ को खुद की पैरवी करने की अनुमति दी थी। हालांकि, अदालत ने कहा कि सरकारी वकील मौजूद रहेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर राउथ की मदद की जा सके।

यह मुकदमा उस घटना के करीब एक साल बाद शुरू हो रहा है, जब अभियोजन पक्ष ने कहा था कि एक अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंट ने ट्रंप की हत्या की कोशिश को नाकाम किया। घटना के समय ट्रंप वेस्ट पाम बीच स्थित अपने कंट्री क्लब में गोल्फ खेल रहे ते। 59 वर्षीय रयान पर तब राष्ट्रपति पद के एक प्रमुख उम्मीदवार की हत्या की कोशिश, एक संघीय अधिकारी पर हमला और हथियारों से जुड़े कई आरोप लगाए गए। हालांकि, रयान ने इन आरोपों का दोषी न होने की दलील दी।

सरकारी वकीलों का कहना है कि रयान राउथ ने कथित तौर पर कई हफ्तों तक ट्रंप की हत्या की योजना बनाई थी। 15 सितंबर 2024 को उसने झाड़ियों के पीछे से ट्रंप पर राइफल तानने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले ही एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उसे देख लिया। अधिकारियों के मुताबिक, रयान ने उस एजेंट की ओर राइफल तानी, जिसके जवाब में एजेंट ने गोली चलाई। गोली लगने से पहले ही रयान ने अपना हथियार गिरा दिया और मौके से भाग गया।

पुलिस को इस मामले में एक गवाह की मदद मिली, जिसने अधिकारियों को बताया कि उसने किसी व्यक्ति को भागते हुए देखा था। इसके बाद गवाह को हेलीकॉप्टर के जरिए पास के अंतर्राज्यीय राजमार्ग तक ले जाया गया, जहां रयान को गिरफ्तार किया गया। गवाह ने पुष्टि की कि वही व्यक्ति उसने भागते हुए देखा था।

रयान पहले नॉर्थ कैरोलिना में निर्माण कार्य करता था और हाल के वर्षों में हवाई में रहने चला गया था। वह खुद को 'भाड़े का सैनिकों' का नेता बताता था और दुनियाभर में जारी संघर्षों में शामिल होने की बात करता था। गवाहों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह अक्सर खतरनाक और हिंसक योजनाओं की बातें किया करता था। यूक्रेन युद्ध के शुरूआती दिनों में रयान ने कथित तौर पर अफगानिस्तान, मोल्डोवा और ताइवान से सैनिकों को रूस के खिलाफ लड़ने के लिए भर्ती करने की कोशिश की थी।

टैरिफ को लेकर पूर्व अमेरिकी NSA ने ट्रंप को घेरा

वॉशिंगटन । टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही घर में घिरते नजर आ रहे हैं। अब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति ने भारत को रूस से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।

एक्स पर पोस्ट में बोल्टन ने ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम ने दशकों से भारत को रूस से दूर करने की कोशिश की है और चीन द्वारा उत्पन्न खतरे के प्रति भारत को आगाह किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कूटनीतिक कदमों को व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखने की अनिच्छा ने शी जिनपिंग को पूर्व को फिर से स्थापित करने का अवसर दिया है।

जॉन बोल्टन एक पूर्व अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (2018-19) के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने विदेश नीति पर ट्रंप के साथ मतभेदों को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोल्टन की टिप्पणी चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के बाद आई है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। पुतिन के साथ अपनी बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया और कहा कि दोनों देश हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए नई दिल्ली और मॉस्को के बीच सहयोग बेहद जरूरी है।

हमले में घायल बच्चों को गाजा से लाया जाएगा ब्रिटेन

लैमी ने इस्राइल पर लगाया भुखमरी फैलाने का आरोप

लंदन । आज से लगभग 22 महीने पहले इस्राइल पर हमास के हमले के साथ शुरू हुआ इस्राइल और हमास संघर्ष अब एक बड़ा और भयावह रूप ले चुका है। जैसे-जैसे ये संघर्ष बड़ा होता गया गाजा को लोगों के सामने दो बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। सबसे बड़ी चुनौती इस्राइली सैनिकों का सैन्य अभियान और गोलीबारी तो दूसरी बड़ी चुनौती वहां भुखमरी की स्थिति का उत्पन्न होना बन गया। ऐसे में अब इस मामले में ब्रिटेन ने एक बड़ा कदम उठाया है। ब्रिटेन ने गाजा में जख्मी और गंभीर रूप से बीमार बच्चों को इलाज के लिए यूके लाने की तैयारी शुरू कर दी है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने सोमवार को संसद में जानकारी दी कि पहले बच्चे कुछ हफ्तों में ब्रिटेन पहुंच जाएंगे।

लैमी ने इस्राइल पर लगाया गंभीर आरोप हालांकि ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी ने इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि इस्राइल गाजा में पर्याप्त मदद नहीं पहुंचने दे रहा। उन्होंने कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी का एक मानव निर्मित अकाल है। साथ ही उन्होंने गाजा में तत्काल सीजफायर (युद्धविराम) की मांग दोहराई।

20 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त मदद

ब्रिटेन ने गाजा और आसपास के क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता के लिए 20 मिलियन डॉलर (लगभग 165 करोड़ रुपये) की अतिरिक्त मदद देने का एलान किया है। लैमी ने कहा कि अब भारी मानवीय प्रयास की जरूरत है ताकि और अधिक फलस्तीनियों की जान भूख और इलाज की कमी से न जाए।

गाजा के छात्र भी आएंगे यूके इतना ही नहीं ब्रिटिश अधिकारियों ने बताया कि वे गाजा के उन छात्रों की मदद कर रहे हैं जिन्हें यूके की यूनिवर्सिटीज में स्कॉलरशिप मिली है, ताकि वे इस साल पढ़ाई शुरू कर सकें।

चीन में 2019 के बाद पहली बड़ी सैन्य परेड

कई हथियारों का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन

बीजिंग । चीन की राजधानी बीजिंग में मंगलवार को एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया, जिसमें दुनिया के सामने मिसाइलें, लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य हथियार दिखाए गए। इनमें से कई हथियारों का पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है। रेड के दौरान सैनिक कदमताल के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने से गुजरे। शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सर्वोच्च नेता हैं और साथ ही केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेना की कमान भी संभालते हैं। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इस आयोजन में करीब दो दर्जन देशों के विदेशी नेता शामिल हो रहे हैं, जो बीजिंग के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना या बनाए रखना चाहते हैं। इन हथियारों का किया गया प्रदर्शन चीन के सैन्य अधिकारियों ने बताया कि परेड में दिखाए गए ज्यादातर हथियार पहली बार आम जनता को दिखाए गए। इनमें जमीन, समुद्र और आकाश से चलने वाले रणनीतिक हथियार, आधुनिक और सटीक हमला करने वाले उपकरण और ड्रोन शामिल हैं। आसमान में युद्धक विमान और हेलिकॉप्टर एक साथ उड़ान भरते नजर आए 2019 के बाद यह चीन में पहली बड़ी सैन्य परेड है। 2019 में यह परेड सीपीसी की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस बार की परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति को याद करने के लिए की जा रही है। इस युद्ध ने चीन को बुरी तरह प्रभावित किया था। चीन की बढ़ती सैन्य ताकत से अमेरिका चिंतित इस परेड का मकसद देश के नागरिकों में गर्व और आत्मविश्वास पैदा करना है और यह दिखाना है कि देश किसी भी हमले से निपटने में सक्षम है। हालांकि, चीन की बढ़ती सैन्य ताकत उसके एशियाई पड़ोसियों और अमेरिका के लिए चिंता का विषय भी बनी हुई है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस परेड से दूर हैं। जापान, भारत और दक्षिण कोरिया के नेता भी इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। उत्तर कोरिया के किम जोंग उन छह साल के बाद चीन में इस तरह के आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति भी शामिल हो रहे हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ देशों के नेता भी इसमें शामिल हो रहे हैं।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से बस्तियां प्रभावित, प्रशासन ने बनाए 12 शरणालय

लोनी/गाजियाबाद, करंट क्राइम। बरसात के मौसम में हरियाणा से छोड़े जा रहे अतिरिक्त पानी के कारण यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जलस्तर बढ़ने से गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं। इनमें बदरपुर, मीरपुर हिंदू, पचायरा, इलायचीपुर, लुत्फुल्लापुर नवादा और अल्लीपुर समेत कई बस्तियों में पानी भरने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। तहसीलदार लोनी सौरभ भट्ट ने बताया कि अब तक कुल 12 शरणालय बनाए गए हैं, जहां प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है। प्रशासन ने राहत कार्य तेज करते हुए भोजन और चिकित्सा सुविधाएं भी मुहैया कराई हैं।

ग्रामीणों की सुरक्षा और निगरानी के लिए प्रशासनिक टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं। यमुना नदी के तटीय इलाकों में नावों एवं गोताखोरों की भी तैनाती की गई है। साथ ही बाढ़ चौकी पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर पूरी तरह नजर रखी जा रही है और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

हिंडन नदी में बढ़ते जलस्तर पर प्रशासन अलर्ट

आपदा राहत की तैयारियों की समीक्षा की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिलाधिकारी गाजियाबाद के निर्देश पर उप जिलाधिकारी सदर अरुण दीक्षित ने मंगलवार को सिटी फॉरेस्ट बाढ़ चौकी पर बैठक कर हिंडन नदी में बढ़ते जलस्तर की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में आपदा राहत संबंधी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उप जिलाधिकारी ने बाढ़ चौकी पर तैनाती, राहत शिविरों की व्यवस्था, गोताखोरों की भूमिका, स्थानीय लोगों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आपदा राहत टीम की तैयारी पूरी है। मोहन नगर जोन प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने अधीनस्थ कर्मचारियों को राहत कार्य हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, क्षेत्रीय पार्षदों ने भी आपदा राहत प्रबंधन के लिए अपने सुझाव दिए। बैठक के बाद उप जिलाधिकारी ने करहेड़ा स्थित कंपोजिट विद्यालय राहत शिविर का निरीक्षण किया और पूर्ति निरीक्षक को सूखा राशन उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक उपचार किट व अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मोहन नगर जोनल अधिकारी सुनील कुमार सिंह, फॉरेस्ट चौकी प्रभारी, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, कोटेदार, पूर्व पार्षद ग्राम करहेड़ा बिजेंद्र चौहान, पार्षद संजय त्यागी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

क्या करें, क्या न करें (बाढ़ से सुरक्षा के उपाय)

- जरूरी दस्तावेज (राशन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक पासबुक आदि) वाटरप्रूफ बैग में रखें।
- सूखा राशन, दवाइयाँ और प्राथमिक उपचार किट सुरक्षित स्थान पर रखें।
- बिजली के स्विच और गैस रेगुलेटर बंद करें।
- पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएँ।
- गर्भवती महिलाएँ, बुजुर्ग, बच्चे और बीमार व्यक्तियों को सुरक्षित शिविर में पहुँचाएँ।
- बिजली या दूषित पानी में प्रवेश न करें।
- प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों का समय पर उपयोग करें।
- क्षतिग्रस्त मकान, खंभों या तारों को न छुएँ।
- स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करें और साफ पानी का ही प्रयोग करें।

आपातकालीन नंबर

- एम्बुलेंस : 108
- पुलिस : 100/112
- जिला कंट्रोल रूम : 1070

दैनिक
करंट क्राइम
उठते सवालों का करंट
दीपक भाटी
समाचार सम्पादक

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम बैठे थे भगवा योद्धा की टीम में महामंत्री की चाहत रखने वाले चेहरे के पास? कार्यकारिणी वाले एपीसोड को लेकर उनके निकल रहे थे जज्बात? वो कह रहे थे हमें महसूस हो रहा है कल हुई घटना को देखकर दुख? योद्धा को अंदाज दिखाना चाहिए था फ्रंट-फुट? वो कोई अपना व्यक्तिगत कार्य कराने के लिए नहीं थे वहां पर मौजूद? जो शख्स अपनी स्वर्गीय माता के कार्यकाल में नगर निगम की एक सीढ़ी ना चढ़ा हो? इससे बड़ा और क्या हो सकता है सबूत? वो अध्यक्ष के तौर पर संभाले छोर? संगठन सबसे पहले बाकी होने चाहिए इग्नोर?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मैं एक बात की कर रहा हूं एक और तस्दीक? भगवा योद्धा की बातें उनके आस-पास घूमने वाले कुछ चेहरे ही कर रहे हैं कुछ विशेष जनप्रतिनिधियों को लीक? ये इधर की बात उधर करते हैं बड़े माइंड से? पहुंचाते हैं चर्चाएं योद्धा के बिहाईंड से? मगर वहां की बातों को ये अपने सीने में ही रखते हैं सहेज? आज नहीं तो कल ओपन हो ही जायेंगे योद्धा के सामने ये सारे फेस?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कभी-कभी हमें भगवा पहलवान की संगठन से भी तेज लगती है स्पीड? अब क्या करें, पार्टी को लेकर उनके अंदर जज्बा कूट-कूट कर भरा है? इसलिए वो कोई भी डिसीजन लेने से पहले नहीं जानते हैं किसी के रीजन? कांग्रेस कार्यालय के घेराव से लेकर अब उन्होंने कर दिया है जोरदार प्रदर्शन करने का ऐलान? कहने वाले ने कहा वो ना जाने क्यों संगठन से अलग तैयार कर रहे हैं प्लान? कभी-कभी मामला हो जाता है कुछ ऐसा प्रत्यक्ष? तब लोग पूछ लेते हैं हमसे कि आप हो क्या भाजपा के महानगर अध्यक्ष?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा सौलंकी के मुस्कुराते हुए चेहरे के पीछे हमें नजर आ रहा है दर्द? मगर ये भी सच है कि ठाकुर साहब इस बात को नहीं कर रहे हैं अर्ज? मगर उन्होंने जख्मी शेर की तरह अब कर ली है एक अलग जंग लड़नें की तैयारी? वो दे रहे हैं संदेश 'जनता की लड़ाई लड़के रहेगें हम, चाहे जमाने लग जायें। टैक्स को तो कम कराकर रहेंगे हम, चाहे ही ही ठिकाने लग जायें'? सौलंकी के दिल में लग रही है कितनी आग? अब ये निगम वाले भी समझ जायें?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जिस वक्त हो रहा था माला वाले मैटर को लेकर नगर निगम की कार्यकारिणी में वाद और विवाद? सच बतायें उस विवाद को देखकर हमें आ गई पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा की याद? उनकी अध्यक्षी का भी कुछ अलग ही था दौर? उनका देखते ही बनता था अंदाज-ए-टोर? वो जनप्रतिनिधियों को लेकर ज्यादा नहीं लेते थे तनाव? हमने तो देखा उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी भी जनप्रतिनिधि को नहीं दिया कोई खास भाव? संगठन में गाडा था कुछ इस तरह उन्होंने खंभा? शायद यही वजह रही कि उनका कार्यकाल नहीं चल पाया लंबा?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** पूरी प्रवीणता से हम जानना चाहते हैं भगवा मैम्बर टॉमक्रूज के चैनल का राज? पता करना चाहते हैं आखिर कौन सी मजबूत शक्तियां चलती है उनके साथ? जिस चीज पर वो हाथ रखते हैं वो करनी पड़ती है पार्टी वालों को स्वीकार? मक्खन के अंदर चाकू कब घुसा जाता है, पता ही नहीं चलता यार? हमने पहले ही कहा था उनकी होगी वाईल्ड कार्ड एन्ट्री? मगर वो वाईल्ड कार्ड कौन सा है, इसी के बारे में तो पता करना है यार?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा मैडम चौधरी अब राजनीति कर रही हैं पहले से काफी बैटर? उन्हें पता है कुछ नहीं मिलता है लंबा खींच कर मैटर? हमने कार्यकारिणी के दौरान देखे उनके कुछ अलग ही अंदाज? वो मिलाती दिख रहीं थी ताकतवर लेडी की आवाज में आवाज? ऐसा लग रहा है इस सीन के बाद अब सुरीली हो जायेगी संबंधों की बीन? वो समझ गईं हैं कि विवादों के मामलों को समय रहते कर देना चाहिए क्लीन?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अब भगवा योद्धा के प्रिय राम नहीं हैं स्नातक एमएलसी चुनाव के संयोजक? भगवा योद्धा ने त्वरित एक्शन से बदल दिया है आयोजक? एक पूर्व अध्यक्ष को सौंप दी है ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी? सुना है जिनको ये जिम्मेदारी दी गई है उनके एमएलसी साहब से रिश्ते हैं बहुत ही खास? जितनी मजबूती से ये इस चुनाव को देखेंगे? सच बतायें योद्धा भी जानते हैं कि कोई और नहीं आ पायेगा उनके आस-पास?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इस मुहिम में भगवा योद्धा ने रखा है भगवा भारद्वाज का भी ख्याल? किसानी वाले मैटर से उन्होंने एक तरीके से उनको दिया है निकाल? दे दी है भगवा भारद्वाज को शिक्षक एमएलसी चुनाव के संयोजक के जिम्मेदारी? कहने वाले ने कहा इस जिम्मेदारी को देखकर लग रहा है योद्धा ने उनका पलड़ा कर दिया है भारी? देखना अब ये है कि भगवा भारद्वाज फसल ही काटते रहेंगे या फिर कोई और नई व्यवस्था होगी उनके लिए जारी?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा योद्धा की तस्वीरें देखकर अखबार में एक जनप्रतिनिधि ने प्रकट कर दिये अपने दिल के विचार? वो बोले अब इससे तो ज्यादा हम्बल नहीं हो सकता किसी का व्यवहार? हम इस मुहिम में हैं भगवा योद्धा के साथ? चाहते तो वो तेवर में भी रह सकते थे? मगर उन्होंने सहजता का कराया सामने वालों को एहसास?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों ने की अहम बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कमिश्नरेट गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त ग्रामीण/यातायात सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने मंगलवार को चौकी लालकुआं, थाना वेव सिटी पर अधिकारियों के साथ एक अहम गोष्ठी आयोजित की। इस बैठक में एसीपी वेव सिटी, थानाध्यक्ष वेव सिटी, यातायात निरीक्षक के अलावा सीमावर्ती जनपद गौतमबुद्धनगर से थाना प्रभारी बादलपुर और चौकी प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान दोनों कमिश्नरेट की सीमा पर यातायात से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

डीसीपी ने अधिकारियों को यातायात व्यवस्था मजबूत करने, सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर समन्वय स्थापित करने, सड़कों पर अनावश्यक जाम की स्थिति रोकने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्रों, स्कूल-कॉलेज समय और औद्योगिक इलाकों में ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है, इसलिए पुलिस टीमों को वहां विशेष सतर्कता बरतनी होगी। साथ ही अवैध पार्किंग, नियम विरुद्ध वाहन संचालन और ओवरलोडिंग पर भी कड़ी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि संयुक्त प्रयासों से गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बॉबी त्यागी को मिली त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की जिम्मेदारी

भाजपा गाजियाबाद महानगर संयोजक बनाए गए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से गाजियाबाद महानगर भाजपा उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए गाजियाबाद महानगर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संयोजक नियुक्त किया गया है। बॉबी त्यागी लंबे समय से पार्टी में सक्रिय रहते हुए संगठन को मजबूती देने का कार्य कर रहे हैं। मेहनती और अनुभवी कार्यकर्ता के रूप में उनकी पहचान है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने इस जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयाँ दी हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि त्यागी के अनुभव और सक्रियता से पंचायत चुनाव में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

नगर आयुक्त ने निगम मुख्यालय में की जनसुनवाई

16 शिकायतें दर्ज, सबसे अधिक सिविल विभाग से संबंधित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आम नागरिकों की समस्याएँ सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 16 शिकायतें दर्ज हुईं। सबसे अधिक शिकायतें सिविल विभाग से जुड़ी रहीं, जिनकी संख्या 6 रही। वहीं पानी की समस्या से संबंधित 3 शिकायतें दर्ज की गईं। इसके अलावा अवैध अतिक्रमण से जुड़ी 2 शिकायतें और स्वास्थ्य, उद्यान, बिजली (लाइट), संपत्ति व एचएन-11 नासिरपुर क्षेत्र से एक-एक शिकायत सामने आई।

नगर आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए और समस्या के समाधान की जानकारी सीधे शिकायतकर्ता तक पहुँचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि नियमित जनसुनवाई का उद्देश्य है कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित हो सके।

गाजियाबाद में बर्ड फ्लू को लेकर अलर्ट, टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली चिड़ियाघर में दो पक्षियों की मौत के बाद पूरे प्रदेश में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में गाजियाबाद विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सामाजिक वानिकी के निदेशक डॉ. एस.पी. पांडेय, सभी उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनता से अपील

करंट क्राइम। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि आमजन को भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मुर्गी और अंडे को पकाने या उबालने पर वायरस नष्ट हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में बर्ड फ्लू की स्थिति फिलहाल शून्य है।

- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अब तक गाजियाबाद में बर्ड फ्लू का एक भी मामला सामने नहीं आया है।
- जिले के पोल्ट्री फार्म से अब तक 401 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव रही है।
- गाजियाबाद में कुल 16 पोल्ट्री फार्म दर्ज हैं, जिनमें से 8 संचालित हो रहे हैं। इनमें लगभग 2.13 लाख मुर्गियां हैं।
- विभागीय अधिकारियों को एडवाइजरी जारी की गई है और पोल्ट्री फार्म पर नियमित भ्रमण किया जा रहा है।
- मुख्य विकास अधिकारी ने साफ-सफाई, चूना और कीटनाशक छिड़काव कराने के निर्देश दिए।
- कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है, जिनके नंबर हैं : 9810705258, 8076286091, 9455301090।

लोनी में जलभराव से जनजीवन प्रभावित, आवागमन हो रहा है दूभर

कॉलोनीवासियों की चेतावनी, समाधान नहीं हुआ तो करेंगे विरोध प्रदर्शन

लोनी, करंट क्राइम। लोनी के गिरी मार्केट, पुस्ता मार्ग, अंजलि विहार, खन्ना नगर, अशोक विहार, खुशहाल पार्क और इनाम बिहार जैसी कॉलोनियों में स्थिति बहुत खराब है। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर भी लगभग तीन-तीन फीट पानी भरा हुआ है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। सड़कों पर इतना पानी भरा है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, गाड़ी या बाइक चलाना तो दूर की बात है।

सप्ताह में लगने वाले बाजारों की जगहों पर भी पानी जमा होने से खरीदारों और दुकानदारों दोनों को परेशानी हो रही है। जलभराव के कारण भैंसों की डेयरियों से निकलने वाला गोबर भी सड़कों पर बह रहा है, जिससे गंदगी और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। हाल ही में एक बुजुर्ग महिला के फिसलकर गिरने की घटना भी सामने आई, जिसमें उन्हें काफी चोटें आईं।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और चेयरमैन इस समस्या के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि नेता सिर्फ वोट के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते।

कॉलोनी के निवासियों ने स्थानीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर से भी मुलाकात की, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन मिला, कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इससे नाराज लोगों ने नगर पालिका और विधायक को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे उसी पानी में बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

शिकायतों का समाधान तेजी से करें, शिकायतकर्ता से खुद करें संपर्क : नगर आयुक्त

समीक्षा बैठक में विभागों को सख्त निर्देश, 'बिफोर-आफ्टर फोटो' रिपोर्ट अनिवार्य

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में स्वास्थ्य, उद्यान और निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों एवं टीम को निर्देशित किया कि जन समस्याओं के समाधान में तीव्रता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि नालों से निकलने वाली सिल्ट, झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठा हुआ कचरा और पेड़ों की कटिंग से निकला वेस्ट तत्काल उठाया जाए। वहीं जिन मार्गों पर गड्ढे दिखाई दे रहे हैं उन्हें तुरंत भरने के लिए निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर आयुक्त ने विशेष रूप से इंदिरापुरम क्षेत्र में चल रहे कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा सीएंडडी वेस्ट उठाने के लिए जोनवार रिपोर्ट देखी गई। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि समस्या दर्ज होने के समय और समाधान होने के बाद की बिफोर-आफ्टर फोटो के साथ कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

आयुक्त ने 311 एप और कम्प्लर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि समस्या के समाधान के उपरांत विभागीय अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से संपर्क कर वार्ता करें। समीक्षा बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनिंद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सहित सभी विभागों की टीम उपस्थित रही। नगर आयुक्त ने टीम को पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन मिलने वाली समस्याओं का निस्तारण उसी दिन किया जाए।

उन्होंने नियमित वार्डों की सफाई व्यवस्था, कूड़े व सिल्ट का उठान, ग्रीन बेल्ट और पार्कों की सफाई, मुख्य मार्गों को धूल-मुक्त बनाने का कार्य प्रतिदिन सुनिश्चित करने पर बल दिया। आयुक्त ने साफ कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर के लिए संसाधनों का पूर्ण उपयोग किया जाए और लापरवाही बरतने वालों पर विभागीय अधिकारी कड़ी कार्यवाही करेंगे।

चिन्टू जी

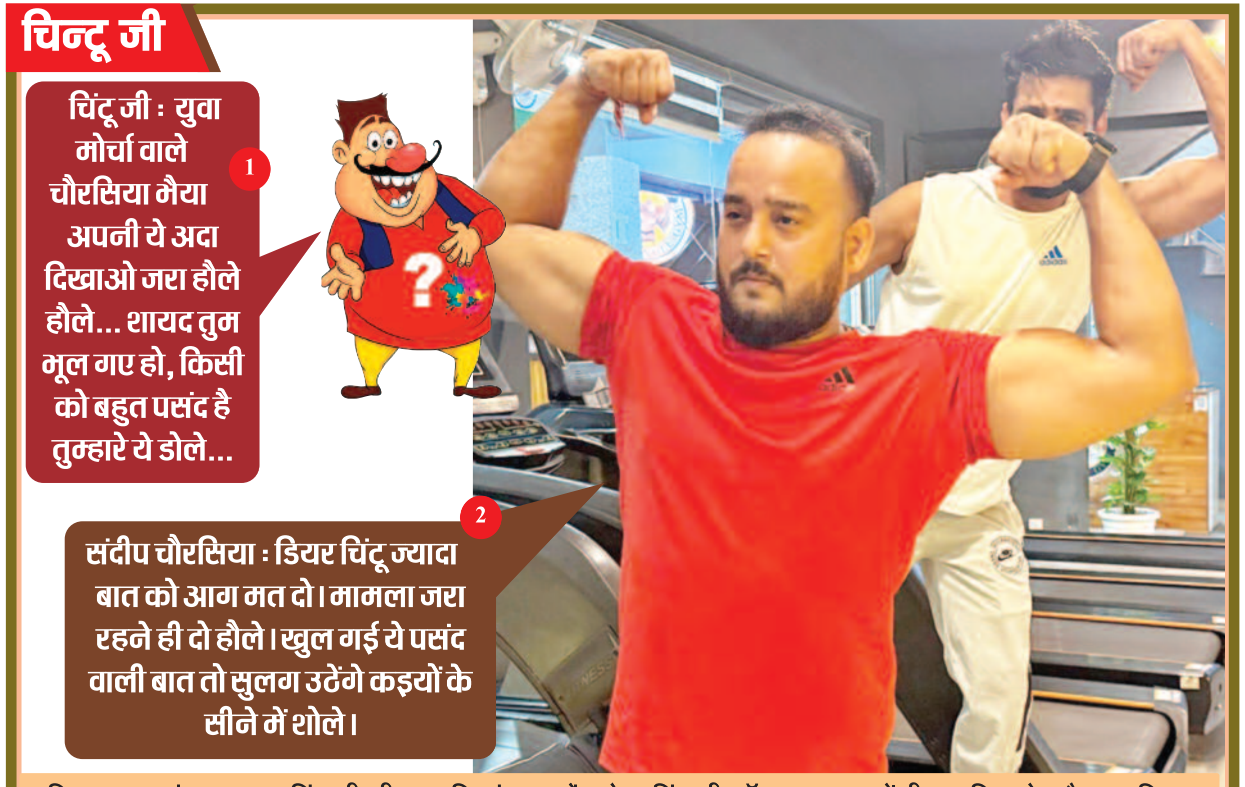
1
चिंटू जी : युवा मोर्चा वाले चौरसिया भैया अपनी ये अदा दिखाओ जरा हौले हौले... शायद तुम भूल गए हो, किसी को बहुत पसंद है तुम्हारे ये डोले...
2
संदीप चौरसिया : डियर चिंटू ज्यादा बात को आग मत दो। मामला जरा रहने ही दो हौले। खुल गई ये पसंद वाली बात तो सुलग उठेंगे कइयों के सीने में शोले।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।